कमल संदेश
ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिवशक्ति बक्सी

संपादक मंडल

सत्यपाल
संजीव कुमार सिन्हा

कला संपादक

धर्मेन्द्र कौशल
विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QSDl : +91(11) 23387887

ई–मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डा. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डा. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डा. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय–सूची

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली सिताबदियारा (बिहार) में उनके जन्म दिवस पर 11 अक्टूबर को भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में निकाली जा रही 'जन चेतना यात्रा' के शुभारम्भ के अवसर पर लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज एवं बिहार के मुख्यमंत्री श्री नितीश कुमार।

जन चेतना यात्रा
एक रिपोर्ट..... 6

जन स्वाभिमान यात्रा
एक रिपोर्ट..... 20

साक्षात्कार
श्री अरुण जेटली..... 23

अन्य
उपचुनावों में एनडीए की शानदार जीत..... 26
नितिन गडकरी की पुस्तक 'विकास के पथ' का लोकार्पण..... 27
14,000 करोड़ का वोडाफोन घोटाला..... 29

संपादक के नाम पत्र

ekuuh; Jh çHkkr th
lknj ueLdkjA

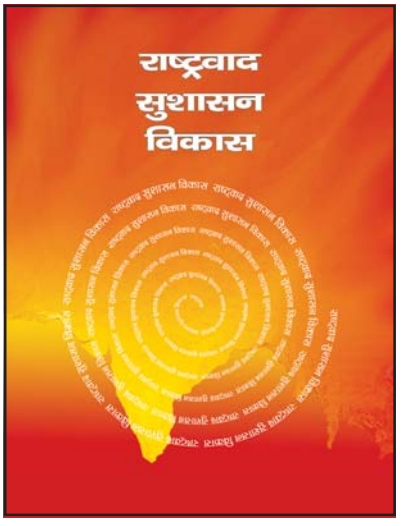

आपके द्वारा कमल संदेश का विशेषांक ''राष्ट्रवाद, सुशासन, विकास'' प्राप्त हुआ, इस हेतु धन्यवाद। आपके नेतृत्व में इस प्रकार के वार्षिक विशेषांक प्रकाशित करने की अच्छी परम्परा बनी है। इस बार का यह विशेषांक अत्यंत उत्तम स्तर का साहित्य है। इस हेतु आप सहित कमल संदेश सम्पादक मण्डल के सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन। इस विशेषांक की प्रति अन्य राजनीतिक पक्षों के विचारक, चिन्तक, लेखक ऐसे पदाधिकरियों एवं विभिन्न समाचार पत्रों के सम्पादक, लेखकों एवं कुछ शुभचिन्तकों को तथा विचार परिवार के प्रमुख पदाधिकारियों को भेजा जाता है तो अच्छा रहेगा।

vrqy dkBkjh
lfpo
f'k{kk laLÑfr mRFkku U;kl]
ubZ fnYyh

व्यंग्य चित्र

हमें लिखें...

सम्पादक के नाम पत्र

कमल संदेश

सादर आमंत्रित

आपकी राय एवं विचार

सम्पादक,
कमल संदेश
डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66
सुब्रह्मण्य भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003
ई-मेल:
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रिय पाठकगण

कमल संदेश (पाक्षिक) का अंक आपको नियमित मिल रहा होगा। यदि किन्हीं कारणवश आपको कोई अंक प्राप्त न हो रहा हो तो आप अपने प्रदेश कार्यालय को या हमें अवश्य सूचित करें।
-सम्पादक

'जन चेतना यात्रा' को जन-जन का व्यापक समर्थन

''जनचेतना यात्रा'' लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली सिताबदियारा से प्रारम्भ होकर निरंतर जनसमर्थन प्राप्त करते हुए आगे बढ़ रही है। बिहार परिवर्तन की भूमि है। 'लोकनायक' संघर्ष का नाम है। 'लोकनायक' एक आंदोलन ही नहीं परिणामकारी आंदोलन का नाम है। इसी भाव को लेकर भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी अपने जीवन की छठी रथयात्रा को लेकर भारत को जगाने निकले हैं। वे भारतीय राजनीति के पहले ऐसे नायक हैं जिन्होंने रथयात्रा से भारत को सर्वाधिक नापने की कोशिश की। चौरासी वर्ष की उम्र में इस ''अदम्य साहस'' को प्रणाम। राजनीति ही सब कुछ नहीं है बल्कि 'राष्ट्रधर्म' हमारे लिए पहले है। आडवाणी जी चुनावी लाभ या वोट के लिए चेतना यात्रा पर सवार नहीं हुए हैं। न चुनाव का मौसम है। न वे चुनाव लड़ रहे हैं। आखिर वजह क्या है? सच में आडवाणी जी आहत हैं। वे भारत की पीड़ा से द्रवित हैं।

चौसठ साल की आजादी के बाद भी हम भ्रष्टाचार जैसे 'नासूर' से आजतक पीड़ित हैं। भारतीय राजनीति में 'शुचिता का कोई स्थान नहीं। 'कालाधन' विदेश से भारत आना चाहिए। न्यायिक प्रणाली हो या प्रशासनिक प्रणाली या विधायिका हो या फिर कार्यपालिका चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा। अंधेरगर्दी के इस माहौल में यदि बदलाव नहीं आया तो वैभवशाली भारत का सपना कैसे साकार होगा?

जन–जन के मन में राजनीति ही नहीं पूरी की पूरी व्यवस्था के प्रति अनास्था पैदा हो गई है। यह लोकतंत्र के लिए आज बड़ा खतरा हो गया है। संसद की पवित्रता दांव पर लग गई। ''कैश फॉर वोट'' का नाम आते ही लगता है कि सत्ता के लिए संसद की पवित्रता को दांव पर लगाना क्या उचित है? मजेदार मामला है कि जिन सांसदों ने स्वयं को नहीं बेचा और संसद की मर्यादा को अखंड रखते हुए देश के सामने इस सच्चाई को उजागर किया कि ''देखो! किस तरह कांग्रेसनीत यूपीए अपनी सरकार को बचाने के लिए सांसदों की खरीदफरोख्त कर रही है।'' इस तथ्य को संसद के पटल पर रखने की सजा ''तिहाड़ जेल''। यह कहां का न्याय है? आडवाणी जी इस घटना से विचलित हो उठे। उनसे नहीं रहा गया। उन्होंने उसी दिन संसद में कहा कि ''वोट फॉर कैश'' की घटना पूरी मेरी जानकारी और मेरी अनुमति से मेरी पार्टी के सांसदों ने उजागर किया। मुझे मेरी पार्टी के फग्गन सिंह, भगोरा जी एवं अशोक अर्गल जैसे अजजा और अजा के सांसदों पर गर्व है। खरीदने वाले थक गए पर हमारे ये सांसद बिके नहीं। इन तीनों सांसदों को पुरस्कृत करने के बजाए तिहाड़ जेल में ठूंस दिया गया। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर इन सांसदों की गलती है तो उससे बड़ी मेरी गलती है क्योंकि इन सांसदों ने जो कुछ किया वह मुझसे पूछ कर किया। अतः यदि ये जेल में हैं तो मुझे भी तिहाड़ जेल में भेजना चाहिए। आडवाणी जी के मन में यहीं यह बात आयी कि अब समय आ गया जब देश को जगाना होगा। उनके मन में 'जनचेतना यात्रा' प्रारम्भ करने की बात यहीं से आयी। इस आशय की जानकारी उन्होंने पार्टी अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी को दी। फिर पार्टी में तय किया कि आडवाणी जी की ''जनचेतना यात्रा'' की योजना बनाई जाए। योजना बनी और ''जन चेतना यात्रा'' को लेकर श्री लालकृष्ण आडवाणी भारत को जगाने निकल पड़े।

आज इस बात की महती आवश्यकता है कि देश जगे और उठे। जन–जन के मन में चेतना जगे। आडवाणी जी की यात्रा को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। वे अपने दो सहयोगी श्री अनंत कुमार एवं श्री रविशंकर प्रसाद के साथ काफिला लेकर 23 राज्यों से होते हुए बीस नवम्बर 2011 को दिल्ली पहुंचेंगे। उनकी इस यात्रा का परिणाम तो यह हो ही रहा है कि विपक्ष की बात और कांग्रेसनीत यूपीए सरकार की असफलता जन–जन में जा रही है। राजनीति में उम्र के इस पड़ाव पर बिरले लोग ही होते हैं जो इस अदम्य साहस का परिचय देते हैं। आडवाणी जी के साहसिक निर्णय, उनकी धैर्यता को और उनके अनुभव को प्रणाम। सही समय पर सही निर्णय लेकर आडवाणी ने जनभावना की जो नब्ज पकड़ी है सच में वह आज नहीं तो कल जरूर रंग लाएगी। ■

यूपीए सरकार की अक्षमता से जनता में आक्रोश व्याप्त : लालकृष्ण आडवाणी

भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा 10.10.2011 को जनचेतना यात्रा के अवसर पर नई दिल्ली में जारी किया गया प्रेस वक्तव्य

dल मैं जनचेतना यात्रा आरम्भ करने जा रहा हूं। मैं स्वच्छ राजनीति और सुराज के मुद्दों पर लोगों को जागरुक करने और जनमत जुटाने के उद्देश्य से पूरे देश में यह यात्रा करूंगा।

आज भारत में राजनीति और शासन की गुणवत्ता के बारे में आक्रोश व्याप्त है। यह आक्रोश केन्द्रीय सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये नेतृत्व की कमी और यूपीए द्वारा अपनाई गई नैतिक राजनीति में पूर्णतया गिरावट के कारण पैदा हुआ है। इसके परिणामस्वरूप स्वार्थवाद का एक सामान्य वातावरण बन गया है जिससे भारत का संसदीय लोकतंत्र और इससे जुड़े राजनीतिज्ञों की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है। चूंकि मैंने भारत में सभी आम चुनाव देखे हैं और सक्रियता से उन सभी में भाग लिया है और अनेक मुद्दों पर चुनाव प्रचार किया है, इसलिए मेरी आगामी यात्रा का उद्देश्य स्वच्छ राजनीति और सुराज के मुद्दों पर प्रचार करना है और स्वार्थपरकता को मजबूती से राष्ट्र–निर्माण में बदलना है।

मेरा मानना है कि भारत को अभी भारी प्रगति करनी है। हमारी राष्ट्रीय क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हुआ है। भारतीय समाज, जो असन्तोषजनक राजनीति और शासन का शिकार है, अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग नहीं कर पाया है। आज भ्रष्टाचार से हमारी अर्थव्यवस्था पर कुप्रभाव पड़ रहा है। निवेश वातावरण भी गड़बड़ा गया है। अब समय आ गया है कि जवाबदेही की बात को लागू किया जाये ताकि इस प्रकार निर्मित प्रणालियों से भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध निवारक कार्यवाही की जा सके।

सिविल सोसाइटी संगठनों ने हाल ही में शुचिता के मुद्दे पर अभियान चलाकर बहुत बड़ी राष्ट्रीय सेवा प्रदान की है। तथापि, राजनीतिक पार्टियां संसदीय लोकतंत्र का सार और ताकत हैं। अतः, मैंने यह यात्रा करने का निर्णय लिया है ताकि राजनीति बदनाम होने के बजाय उन अनेक लोगों के लिये प्रेरणादायी बन सके, जो इसमें शामिल होना चाहते हैं। अब राजनीति में सबसे अच्छे लोगों को आना चाहिए क्योंकि राजनीति निर्णय लेने, शासन और राष्ट्र निर्माण का सर्वाधिक महत्वपूर्ण माध्यम है।

भ्रष्टाचार से निपटना

यात्रा में मुख्यतया भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अभियान चलाने का प्रयास किया जायेगा। हम इस जन–आक्रोश को रचनात्मक दिशा में परिवर्तित करके ठोस समाधान निकालने में सक्षम हो सकेंगे। मेरी पार्टी और मैं एक प्रभावी लोकपाल के निर्माण के प्रति वचनबद्ध हैं। यह एक स्वतंत्र तंत्र द्वारा नियुक्त की गई एक स्वतंत्र एजेन्सी होनी चाहिए और इसे पूरे देश में भ्रष्टाचारियों को दण्डित करने का अधिकार प्राप्त होना चाहिए। राजग राज्य सरकारें एक ऐसा कानून बनाने में पहल कर रही है जिसके अन्तर्गत एक सिटीजन चार्टर का प्रावधान है जिसके द्वारा जनसेवाओं को कुशलतापूर्वक और कारगर ढंग से उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

ऐसा न करने पर सरकारी कर्मचारियों को दण्डित किया जायेगा। इसी तरह से राजग सरकारें ही हैं जिन्होंने भ्रष्टाचार से कमाई गई परिसम्पत्ति को जब्त करने सम्बंधी कारगर कानून बनाये हैं। हमारा मानना है कि किसी भी व्यक्ति को अपराध करके कमाये गये धन लाभ अपने पास रखने का अधिकार नहीं है। भ्रष्टाचार से जमा की गई परिसम्पत्तियों को जब्त करने के लिए अनेक राजग सरकारों ने विशेष न्यायालय स्थापित किये हैं। इस यात्रा के द्वारा हम इन प्रमुख कदमों को राष्ट्रीय स्तर पर भी उठाने का अभियान चलायेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कतिपय सीमा के बाद टेंडरों को ई–टेंडरिंग के अध्यधीन करना आवश्यक हो। हमें स्वविवेकी अधिकारों को समाप्त करना चाहिए और उनके स्थान पर सरकारी निवेशों एवं अनुदानों के आवंटन के मामले में व्यावहारिकता लानी चाहिए।

न्यायिक सुधार

न्यायिक सुधार समय की पुकार है। अनेक मामलों में न्यायपालिका अन्ततः राज्य और जन कार्यवाही की

मध्यस्थ होती है। न्यायपालिका की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। न्यायिक संस्थानों में ईमानदार, और गुणवान व्यक्ति होने चाहिए। इस प्रकार न्यायिक सुधारों का उद्देश्य न्यायिक कुशलता लाना, लम्बित मामलों को निपटाना और उच्चतम स्तर के ईमानदार व्यक्तियों को नियुक्त करने की आवश्यकता होनी चाहिए। हाल ही में कुछ न्यायिक संस्थानों के बारे में चिन्ताजनक जानकारी मिली है। जवाबदेही की बात को लागू करना होगा। हमने एक राष्ट्रीय न्यायिक आयोग का प्रस्ताव रखा है, जो उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति और जजों के विरूद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतों के मामलों को देखेगा। यात्रा में इस मुद्दे पर प्रचार करने का प्रयास किया जायेगा।

कालाधन

पीछे, संवैधानिक संशोधनों से राज्य में मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या सीमित की गई थी। दल बदल काफी हद तक कम हो गया है। चुनाव आयोग ने बूथों पर कब्जा करने की बुराई से बहुत अच्छी तरह से निपटा है। तथापि, राजनीति के अपराधीकरण और चुनावों में धनशक्ति के अत्यधिक प्रयोग से हमारी राजनीति प्रणाली अब भी प्रभावित है। इन दो चुनौतियों से राजनीति की विश्वसनीयता कुप्रभावित है। अतः इस दिशा में तुरन्त कदम उठाये जाने चाहिए। यात्रा में इस मुद्दे पर प्रभावी रूप से प्रचार किया जायेगा।

हमारा राजस्व और दाण्डिक कानून कालेधन से निपटने के लिये बहुत उदार है। काला धन देश में भूमि की खरीद फरोख्त और कारोबारी लेन–देन और विदेशों में टैक्स हैवन्स के रूप में विद्यमान है। भारत सरकार इस बुराई को समाप्त करने हेतु कार्यवाही में काफी धीमा है जबकि अनेक देश कालेधन के प्रकटन के बारे में ढील देने में टैक्स हैवन्स पर दबाब डालने में सफल हुए हैं। भारत सरकार ने इस दिशा में कोई सक्रिय कदम नहीं उठाया है। विदेशी बैंक खातों में जमा कालेधन की मात्रा के बारे में अनुमान अलग–अलग हैं परन्तु यह धनराशि बहुत अधिक है। यात्रा में सरकार पर इस बात पर पूरा दबाब डाला जायेगा कि वह कालेधन को देश में वापस लाने के लिए कारगर कदम उठाये ताकि इसका इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण के कार्यों में किया जा सके। विदेशों में टैक्स हैवन्स और स्विस बैंकों में खाताधारियों के नाम सार्वजनिक किये जाने चाहिए। मैं यह कह सकता हूँ कि हाल ही में एक प्रमुख स्विस बैंक में भारतीयों के खातों के बारे में भारत सरकार को जानकारी दी गई है। मुझे पता चला है कि आयकर विभाग को गुप्त तरीके से कार्यवाही करने और इस पूरे मामले को दबाने के लिये कहा गया है। यहां तक कि प्रवर्तन निदेशालय से भी तथ्य छिपाये गये हैं। मैं यह जानना चाहूँगा कि क्या यह वस्तुतः सत्य है कि एक स्विस बैंक में रखे गये खातों का ब्यौरा भारत सरकार को एक 'व्हिसिल ब्लोअर' द्वारा पहले से किये गये खुलासों के कारण उपलब्ध कराया जा चुका है और नामों को इसलिए सार्वजनिक नहीं किया जा रहा ताकि कुछ चुनिंदा व्यक्तियों के कारण परेशानी न हो।■

उत्तराखंड

प्रदेश में औद्योगीकरण की गति को तेज किया जाय : खंडूड़ी

मुख्यमंत्री भूवन चन्द्र खंडूड़ी ने सचिवालय में आयोजित औद्यौगिक संघ की बैठक की समीक्षा की । उन्होंने इस दौरान कहा कि राज्य के विकास में उद्यौगिकरण में गति लाना होगा। पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन कर रहे लोगों को रोकने लिए, स्थानीय उद्यम को बढ़ावा देना होगा।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2008 में सरकार द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों के लिए स्वीकृत विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति का उल्लेख करते हुए उद्यमियों से जानना चाहा कि इस विशेष नीति के बावजूद पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योगों में अपेक्षित पूंजी निवेश क्यों नही हुआ है। उन्होंने उद्यमियों से उनके सुझाव भी मांगे कि इस दिशा में कैसे और प्रभावी ढंग से प्रगति की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों का आह्वान किया कि इस नीति में नर्सिंग होम, अस्पताल तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान सम्मिलित है और निर्माण उद्योगों के साथ–साथ इन क्षेत्रों में पूंजी निवेश के लिए आगे आये। उन्होंने कहा कि औद्योगिक घराने इन क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल एवं अवस्थापना विकास एवं अन्य सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के प्रोत्साहन में राज्य सरकार के साथ सहभागिता करें।

श्री खण्डूड़ी द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों के औद्योगिक विकास कार्यक्रम में स्थानीय कच्चे माल, स्थानीय युवाओं के रोजगार, स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन एवं क्षेत्रीय लोगों के आय में अभिवृद्धि के अवसरों को ध्यान में रखने पर बल दिया गया। उनके द्वारा उद्यमियों का आह्वान किया गया कि, वे स्थानीय कच्चे माल जैसे कृषि उत्पादों (आलू), चीड़ की पत्तियों, को व्यावसायिक उपयोग, फल प्रसंस्करण, जड़ी बूटी एवं सुगंध पादप आधारित छोटे उद्यमों के विकास पर जोर दे। ■

'सुशासन एवं स्वच्छ राजनीति' तथा विदेशों से काला धन वापस लाने के लिए यूपीए पर दबाव डालना 'रथ यात्रा' का उद्देश्य : आडवाणी

gekjs laoknnkrk }kjk

Hkk जपा संसदीय दल के अध्यक्ष और पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने सुशासन एवं स्वच्छ राजनीति के लिए अपनी 38 दिवसीय जन चेतना यात्रा का शुभारंभ लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जन्मस्थल सिताबदियारा, पटना से 10 अक्टूबर 2011 से की। बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने यात्रा को हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया। यात्रा का उद्देश्य लोगों के बीच कांग्रेस–नीत यूपीए शासन में फैले भ्रष्टाचार के बारे में जागरूकता पैदा करना है और यूपीए सरकार पर विदेशों में जमा काला धन को वापस लाने के लिए दबाव बढ़ाना है।

गांधी मैदान में एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए श्री आडवाणी ने कहा कि मैं औपचारिक रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ तथा विदेशों में जमा कालाधन वापस लाने के लिए अपनी जन चेतना यात्रा शुरु कर रहा हूं। श्री आडवाणी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की यह कहते हुए प्रशंसा की कि उन्होंने इंदिरा गांधी के शासन काल में सत्तर के दशक में कांग्रेस सरकार में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ कम्युनिस्टों को छोड़कर सभी अन्य गैर–कांग्रेसी पार्टियों को एकजुट किया था। उस समय तथा वर्तमान स्थिति को समान रूप देते हुए आडवाणी जी का कहना था कि भ्रष्टाचार को हर हालत में खत्म करना ही होगा। आवश्यकता केवल नेतृत्व परिवर्तन की नहीं है, बल्कि पूरी व्यवस्था को बदलना होगा। आज लोगों में इस देश की क्षमता पर से ही विश्वास

आडवाणी, स्वराज, जेटली और नीतीश जेपी के पुश्तैनी घर गए

पटना से आगमन के तुरंत बाद भाजपा संसदीय दल के नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी ने लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज और राज्यसभा में विपक्ष के नेता श्री अरुण जेटली, बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री एस. के. मोदी तथा अन्य पार्टी नेताओं के साथ श्री जयप्रकाश नारायण के पुश्तैनी घर गए। उन्होंने उनकी मूर्ति पर पुष्पमाला पहना कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। फिर वे गांधी मैदान पहुंचे जहां से उनकी जन चेतना यात्रा का शुभारंभ हुआ।

उठ गया है। इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यही होगी कि वह विश्वास फिर से बहाल हो सके।

उन्होंने आगे कहा कि हमें जन चेतना यात्रा की यह प्रेरणा श्री जयप्रकाश नारायण द्वारा किए गए कामों को आगे बढ़ाने के लिए मिली है और कहा कि यात्रा का उद्देश्य सुशासन और स्वच्छ राजनीति की शुरूआत करना है साथ ही लोकपाल मुद्दे एवं विदेशों में जमा धन को वापस लाने पर जोर देना है।

श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि 21वीं शताब्दी भारत की शताब्दी है और हमें यह प्रतिज्ञा करनी होगी कि भारत विश्व के देशों में सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित हो।

श्री आडवाणी ने बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब से भाजपा जद(यू) गठबंधन सरकार की स्थापना 2005 में हुई है तब से उन्होंने पूरे बिहार का नक्शा पलट कर रख दिया है।

लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज और राज्यसभा में विपक्ष के नेता श्री अरुण जेटली की सराहना करते हुए श्री आडवाणी ने कहा कि उन्होंने संसद में कांग्रेस–नीत यूपीए सरकार के खिलाफ न केवल भ्रष्टाचार के मुद्दे पर, बल्कि अन्य मुद्दों पर बड़े प्रभावकारी ढंग से संभाला है।

अपने भाषण में बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि श्री लालकृष्ण आडवाणी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जन चेतना यात्रा को श्री जयप्रकाश नारायण के जन्मस्थल एवं उनकी जयंती के अवसर का चुनाव कर प्रशंसनीय कार्य किया है और हम आडवाणी जी का हार्दिक स्वागत करते हैं। उन्होंने अपनी सरकार द्वारा भ्रष्टाचार से निपटने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों का भी उल्लेख किया।

श्री कुमार ने स्मरण कराया कि जेपी आंदोलन की शुरूआत भी बिहार से हुई थी और कहा कि तब किसी ने यह सोचा तक नहीं कि कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा। श्री आडवाणी की यात्रा का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि ''हम न केवल शब्दों से बल्कि कार्यों से भी सम्पूर्ण समर्थन देने का वायदा करते हैं।

यात्रा 23 राज्यों तथा चार संघ–शासित क्षेत्रों से गुजरात से गुजरेगी और देशभर में लगभग 100 जिलों से गुजरते हुए लगभग 7600 किमी. की यात्रा तय करेगी।

इस यात्रा के दौरान श्री आडवाणी जी की यात्रा पूर्वोत्तर क्षेत्र, अण्डमान व निकोबार द्वीपसमूह, जम्मू तथा कश्मीर और उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, गोवा एवं दक्षिण राज्यों में भी जाएगी जहां निकट भविष्य में चुनाव होने हैं।

पटना (बिहार)

1990 में एक मुख्यमंत्री ने गिरफ्तार किया तो आज 2011 में दूसरे मुख्यमंत्री ने यात्रा को हरी झण्डी देकर रवाना किया

भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष तथा पूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी की सुशासन एवं स्वच्छ राजनीति के लिए शुरू की गई जन चेतना यात्रा का शुभारंभ 11

अक्टूबर 2011 के दोपहर बाद छपरा जिले से हुआ। उस समय तपती गर्मी के बावजूद वहां एक विशाल भीड़ मौजूद

थी जिन्होंने जोरदार तालियों से हर्षध्वनि प्रगट की और समर्थन दिया। ऐसे माहौल में बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने हरी झण्डी दिखा कर यात्रा को विदा किया।

राज्य की राजधानी में प्रवेश करने पर हजारों लोगों और नेताओं ने श्री आडवाणी की यात्रा का अभिनंदन किया। पूरा माहौल नारों से गुंजायमान था। सड़क के दोनों तरफ कमल के झण्डे फहरा रहे थे। लोग श्री आडवाणी और रथ पर बैठे अन्य नेताओं का हाथ हिला कर और करतल ध्वनि से स्वागत कर रहे थे। पटना शहर में इस बात की आम लोगों में बड़ी चर्चा थी कि 83 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति द्वारा रथ यात्रा करना कोई आसान काम नहीं है, जिसमें सचमुच उनके शारीरिक एवं मानसिक जीवट की गहन आवश्यकता होती है।

बाद में रथ रैली ग्राउण्ड पहुंचा। एक विशाल जन सभा को सम्बोधित करते हुए श्री आडवाणी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अपने सुशासन से बिहार में व्यापार परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि यदि आपके पास अच्छा सक्षम नेता होता है तो वह करिश्मा करके दिखा सकता है और ठीक ऐसा ही श्री नीतीश कुमार ने बिहार में करके दिखा भी दिया है। उन्होंने बिहार में अत्यावश्यक परिवर्तन किया है, जिससे उनके साहस और सरकार को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए परिप्रेक्ष्य दृष्टि का पता चलता है।

केन्द्र में यूपीए सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि 'यूपीए' सरकार की अक्षमता के कारण लोगों का राजनीतिक व्यवस्था से ही विश्वास उठ गया है। लोग मुद्रास्फीति और भ्रष्टाचार से अत्यंत क्रुद्ध और निराश है।

श्री आडवाणी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 109वीं जयंती पर शुरू की गई अपनी यात्रा को शुरू करते हुए कहा कि सरकार 'टैक्स हैवन्स' में जमा धन करने वाले नामों को बताने में इसलिए संकोच कर रही है कि उस सूची में महत्वपूर्ण लोगों के नाम शामिल हैं। यहां तक कि प्रवर्तन निदेशालय को भी इनकी सूचना है। आयकर विभाग से चुपचाप जांच पड़ताल करने के लिए कहा गया है। उन्होंने सरकार से काला धन के खतरे से निपटने के लिए उठाए गए कदमों पर एक 'श्वेत पत्र' जारी करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि चुनावों में बाहुबल और आपराधीकरण चुनाव सुधार मामले में सबसे बड़ी चुनौती है। हमने सत्ता में रहते कुछ सुधार किए थे परन्तु अभी बहुत कुछ करना बाकी है।

यह ध्यान देने योग्य है कि श्री आडवाणी को तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के कहने पर सोमनाथ से अयोध्या की यात्रा में 21 वर्ष पूर्व गिरफ्तार किया गया था, जो सचमुच एक याद रखने की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे अब भी याद है जब मुझे समस्तीपुर में रोका गया था और बाद में मसनजोर ले जाया गया था। इसे विडम्बना ही कहिए कि आज उसी राज्य के मुख्यमंत्री मेरी यात्रा को हरी झण्डी देकर रवाना कर रहे हैं।

रैली को सम्बोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद पर प्रहार करते हुए कहा कि कुछ लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ आडवाणी जी की रथ यात्रा से घबराए हुए हैं और बिना बात बकवास करते हैं। यह जेपी ही थे जिन्होंने बिहार से 1974 में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करने का आह्वान किया था। मैं उनके रथ को रवाना कर उनका अभिनंदन करता हूं। परन्तु कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर बार में कुछ न कुछ नुक्स निकालने रहते हैं। भला कोई बताए भ्रष्टाचार के खिलाफ यात्रा किस प्रकार से साम्प्रदायिक हो सकती है? वे क्यों ऐसी किसी बात से घबराए हुए हैं जिससे समाज से भ्रष्टाचार को मिटाया जा सकता है।

वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

सरकार की विश्वसनीयता गंवाना, देश के लिए हितकारी नहीं

भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष तथा पूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि सरकार से लोगों का विश्वास खत्म हो जाना, देश के भविष्य के लिए कोई अच्छी बात नहीं है और मैं जनचेतना यात्रा के दौरान लोगों में यह

विश्वास जगाने के लिए कर रहा हूं। श्री आडवाणी ने अपनी वर्तमान यात्रा के तीसरे दिन वाराणसी, उ.प्र. में जन चेतना

यात्रा की सबसे बड़ी जनसभा को सम्बोधित किया। इससे पूर्व वे मुगलसराय में रूके थे और लोगों की प्रतिक्रिया देखकर वे गद्‌गद् थे।

श्री आडवाणी ने भारत माता मंदिर परिसर में विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा मेरी पार्टी के लिए नहीं है बल्कि उन सभी लोगों के लिए है जो भ्रष्टाचार के बढ़ने के खतरे में निराश हो गए हैं। एक के बाद एक घोटाले होते रहते हैं, जिनमें 2जी स्पेक्ट्रम, मुम्बई डिफेंस (आदर्श सोसाइटी), कॉमनवेल्थ खेल आदि शामिल है, जिनका रहस्योदघाटन भी न्यायालयों, पीएसी और सीएजी ने किया तो स्पष्ट है लोग कुंठित हो गए क्योंकि उन्होंने महसूस किया कि केन्द्र में आज कोई सरकार है ही नहीं।

उन्होंने आगे कहा कि यह मेरी छठी यात्रा है। पिछली यात्राओं से मुझे जितना भारी प्यार इस यात्रा में मिला है, उतना पहले नहीं था।

जयप्रकाश नारायण के जन्मस्थल सिताब दियारा से लेकर, जहां से यात्रा शुरू हुई, पटना बरास्ता छपरा तक मैं देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि लोग सड़कों के किनारे कतार लगाए खड़े रहे, जिसे कहा जाए कि पूरे रास्ते पर मानव दीवार बन गई थी।

देश में भारी भ्रष्टाचार पर चिंता प्रगट करते हुए उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों को संगठित करना है और विदेशी बैंकों में जमा विशाल कालाधन को देश में वापस लाना है।

उन्होंने कहा कि महंगाई का मुख्य कारण ही भ्रष्टाचार है और यदि इसे रोक लिया जाए तो देश को पेयजल, बिजली, सड़कें, स्कूल तथा अन्य सभी प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर छह लाख गांवों में उपलब्ध कराए जा सकते हैं। हम तब तक एक नए भारत का निर्माण नहीं कर सकते हैं जब तक भ्रष्टाचार को न रोका जाएगा और तब तक हम उत्तर प्रदेश को भी भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश नहीं बना सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उ.प्र. देश का सबसे बड़ा राज्य है और आबादी के लिहाज से भी देश के रूप में देखा जाए तो यह विश्व का छठा भाग है।

स्थानीय जनसंख्या के सुर में श्री आडवाणी का कहना था कि काशी और मुगलसराय के साथ मेरा भावनात्मक संबंध है। पं. दीनदयाल उपाध्याय मेरे आदर्श हैं और मुगलसराय उनकी पुण्य स्थली है क्योंकि वे यहीं पर रहस्यात्मक परिस्थितियों में मृत पाए गए थे।

जब मेरा परिवार विभाजन के बाद कराची (सिंध, पाकिस्तान) के मेरे जन्मस्थल से आया तो मेरे पिताश्री गुजरात में कच्छ में जाना चाहते थे परन्तु हमारी 80वर्षीय दादी के अनुरोध पर काशी आ गए क्योंकि वे अपने जीवन के अंतिम क्षण इस पवित्र शहर में गुजारना चाहती थी। मैंने इस शहर में चार वर्ष बिताए और इसके बाद हमारा परिवार कच्छ गया।

अन्य वरिष्ठ राष्ट्रीय तथा प्रदेश भाजपा नेता भी इस अवसर पर उपस्थित थे, जिनमें भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मुख्तार अब्बास नकवी और श्री कलराज मिश्र, भाजपा राष्ट्रीय महासचिव श्री अनंत कुमार, श्री रविशंकर प्रसाद, श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, वरिष्ठ भाजपा नेता सुश्री उमा भारती, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सूर्य प्रताप शाही, उत्तर प्रदेश पूर्व भाजपा अध्यक्ष श्री केशरीनाथ त्रिपाठी और वरिष्ठ नेता श्री ओमप्रकाश शामिल थे।

मध्य प्रदेश में जन चेतना यात्रा

पूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी की 38 दिवसीय जन चेतना यात्रा में 13 अक्टूबर को रीवा से मध्य प्रदेश और वहां से 17 अक्टूबर को विदा हो कर छिन्दवाड़ा से महाराष्ट्र में प्रवेश कर गई।

मध्यप्रदेश के लोगों ने भाजपा नेता के अभिनन्दन में पलक पांवड़े बिछा दिए, जो इस समय अपनी छठी राष्ट्रव्यापी यात्रा पर थे। राज्य के विभिन्न भागों में विभिन्न जन सभाओं में उन्होंने विशाल जनसमूह को देखा।

लाखों लोगों ने उनके काफिले का स्वागत किया और पूरे मार्ग में पुष्प बिखेरे, ढोल नगाड़े बजते रहे, लोग नाचते रहे और पटाखे छोड़ते रहे। महिलाओं और कन्याओं ने अपने सिर पर 'कलश' रख कर आडवाणी जी के स्वागत में खड़ी रहीं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री प्रभात झा ने मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र की सीमा पर काफिले को अलविदा कहा।

मध्य प्रदेश में अपनी यात्रा के दौरान श्री आडवाणी ने रीवा, उमरिया, शाहपुरा, नरसिंहपुर, सतना, जबलपुर, छिन्दवाड़ा और अन्य कई स्थानों पर अनेक रैलियों को सम्बोधित किया।

श्री आडवाणी ने पारद सिंह में 'लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उनके लिए मध्य प्रदेश की यात्रा एक अविस्मरणीय रहेगी और लोगों द्वारा 'सुशासन तथा स्वच्छ राजनीति' पर की जा रही इस यात्रा पर दी गई प्रतिक्रिया को देख कर आश्चर्यचकित रह जाता हूं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'यात्रा' देश की राजनीति का रूख ही बदल देगी।

भाजपा महासचिव श्री अनंत कुमार ने कहा कि मध्य प्रदेश सुशासन का एक आदर्श नमूना है और राज्य के विकास के इस मॉडल को पूरे देश में अपनाया जाना चाहिए।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देशभर में कमल खिलेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रभात झा ने राज्य के लोगों, पार्टी कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों का श्री आडवाणी जी की यात्रा को सफल बनाने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

श्री आडवाणी ने एक वक्तव्य में कहा पार्टी कार्यकर्ताओं ने 13 अक्टूबर को राज्य में यात्रा के प्रवेश से लेकर छिन्दवाड़ा से 17 अक्टूबर को यात्रा की बिदाई तक का काम पूरी निष्ठा और परिश्रम से किया है।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिस प्रकार से पदाधिकारियों के निर्देशों का पालन किया है, उससे पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा प्रगट होती है और पता चलता है कि वे पार्टी में कितना अनुशासन रखते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश संगठन महासचिव श्री अरविन्द मेनन और अन्य प्रदेश पदाधिकारियों की टीम की भी सराहना की, जिससे जिला और मण्डल स्तर पर सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा और उत्साह प्राप्त हुआ, अन्यथा इतना विशाल कार्यक्रम कभी सफल नहीं हो पाता।

रीवा (मध्य प्रदेश)

कांग्रेस के कुशासन से तंग लोग बदलाव चाहते हैं

मध्य प्रदेश पहुंचने पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री प्रभात झा, राष्ट्रीय महासचिव श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, श्री थावरचंद गहलोत और अन्य वरिष्ठ नेताओं तथा लाखों लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। मध्य प्रदेश के सभी मंत्रीगण और बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश से गुजरने के बाद मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जन चेतना यात्रा' का मध्यप्रदेश में प्रवेश होने के बाद रीवा जिले में हनुमान के विशाल लोगों की भीड़ को सम्बोधित करते पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि आज देश के लोग केन्द्र में कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के कुशासन से तंग आ चुके हैं। केन्द्र सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को कम करने के लिए कुछ भी हो नहीं कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि देश के लोगों को आज भी अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए के छह साल पूर्व के शासन की याद आती है। उस समय लोगों को महंगाई से राहत मिली हुई थी और अब केन्द्र में सत्ता परिवर्तन के लिए भाजपा की ओर निहार रहे हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से जल्द ही नई जिम्मेदारियों को संभालने के लिए

तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य समाज को भ्रष्टाचारमुक्त, भयमुक्त और सुशासन राज्य की स्थापना करना है। भारी भीड़ से प्रभावित होकर उन्होंने कहा कि पूरे देश के सभी आमजन इन्हीं समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा देश से भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के लिए कृतसंकल्प है परन्तु यह तभी संभव है जब विदेशों में जमा काला धन देश में वापस लाया जा सके। इस धन से प्रशासन में पारदर्शिता बरतते हुए नागरिकों को सभी गांवों में बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

वरिष्ठ पार्टी नेता और राष्ट्रीय महासचिव श्री अनंत कुमार (यात्रा प्रभारी) और श्री रविशंकर प्रसाद, भाजपा राष्ट्रीय सचिव श्री श्याम जाजू अन्य लोग श्री आडवाणी के साथ यात्रा में शामिल थे।

भोपाल (मध्यप्रदेश)

जन चेतना यात्रा के लिए वाजपेयीजी का मार्गनिर्देशन प्राप्त ना हो पाने का दुःख है

भोपाल (मध्य प्रदेश) में दशहरा मैदान में भारी भीड़ को सम्बोधित करते हुए श्री आडवाणी ने कहा कि मुझे वर्तमान

भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मेरी जन चेतना यात्रा में श्री वाजपेयी जी का मार्गदर्शन प्राप्त ना हो पाने का दु:ख है।

पूर्व उप प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे पहले की पांच यात्राओं में वाजपेयी से समर्थन और मार्गदर्शन मिलता रहा था। परन्तु अब मैं इस समय उससे रहित हूं। मैंने इस यात्रा का शुभारंभ उनके आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद ही किया है। परन्तु इसमें कोई शक नहीं कि मैं वाजपेयी की अनुपस्थिति बहुत अधिक महसूस कर रहा हूं।

श्री आडवाणी ने कहा कि मैं 2009 के लोकसभा चुनावों के बाद से अब तक विदेशी बैंकों में जमा काला धन को वापस लाने की आवश्यकता पर जोर देता रहा हूं। वहां कितना धन जमा है, इस बारे में कोई औपचारिक सूचना प्राप्त नहीं है, परन्तु ग्लोबल इंटेग्रिटी नामक एक एजेंसी का कहना है यह लगभग 2.5 लाख करोड़ रूपए का है। इस आंकड़े को स्विस बैंक एसोसिएशन ने भी अधिकृत किया है।

श्री आडवाणी ने कहा कि ऐसे बहुत से देश– अमरीका, जर्मनी, फ्रांस और रूस– हैं जिनके निवासियें ने स्विट्जरलैण्ड जैस 'टैक्स हैवन्स' देशों में पैसा जमा किया है परन्तु भारतीयों का धन वहां सबसे अधिक जमा है। 'नोट के बदले वोट' घोटाले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले में तीन भाजपा सदस्यों ने 'ह्विसल ब्लोअर' की भूमिका निभाई, परन्तु उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया। यात्रा कि पीछे यह भी उद्देश्य है कि जिन लोगों ने पैसा दिया था, वे तो खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस–नीत–केन्द्र सरकार से जानना चाहा कि स्विट्जरलैण्ड द्वारा 'रेस्टीट्यूशन ऑफ इल्लिसिट एसेट एक्ट' बनाए जाने के बाद उन लोगों की पहचान करने के लिए क्या कदम उठाए गए। मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार शीतकालीन संसद सत्र में इस मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करें।

इससे पूर्व, सभा को सम्बोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा कि आज टेलीविजन देखने के पीछे भी यात्रा को देखना एक प्रयोजन हो गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से लोग होते हैं जो टेलीविजन नहीं देखते परन्तु जब यात्रा उनके क्षेत्र से गुजरती है तो वे टेलीविजन पर नेताओं की झलक और उनका संदेश सुनने के लिए टेलीविजन देखना पसंद करते हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री प्रभात झा ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे। बाद में श्री आडवाणी जी छिन्दवाड़ा की तरफ बढ़े जहां से वे नागपुर (महाराष्ट्र) में प्रवेश कर गए।

छिन्दवाड़ा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी और म.प्र. के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री प्रभात झा भी श्री आडवाणी के साथ छिन्दवाड़ा गए।

विभिन्न स्थलों जनसभाओं को सम्बोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि श्री शिवराज सिंह के शासनकाल में सड़कों के निर्माण में सुधार हुआ और आज हम देख रहे हैं यह यात्रा बड़े सहज रूप से इन सड़कों पर छिन्दवाड़ा जाते हुए आराम महसूस हो रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पर भी प्रहार करते हुए कहा कि जिस प्रकार से धृतराष्ट्र ने अपने पुत्रों की करतूतों की अनदेखी की थी उसी प्रकार प्रधानमंत्री भी जब भ्रष्टाचार

की बात आती है तो कहते है कि उन्हें तो पता ही नहीं है।

2जी स्पेक्ट्रम घोटाले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब यह घोटाला हो रहा था हमारे प्रधानमंत्री का कहना है कि ''मुझे तो पता ही नहीं। भला ऐसी विवशता से किसका भला हो सकता है, क्यों न वह तीर्थ यात्रा पर चले जाएं?

इससे पहले पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी ने छिन्दवाड़ा में कांग्रेस को चेतावनी दी कि वह लोगों के आक्रोश को कम करके न आंके। उन्होंने कहा कि 1977 में जब कांग्रेस के खिलाफ आक्रोश लोगों ने जताया था तो यूपी, बिहार, दिल्ली और हरियाणा से उसका पत्ता साफ हो गया था।

श्री आडवाणी ने आगे कहा कि विगत में जब हमने काला धन मुद्दे को उठाया था तो प्रधानमंत्री ने कहा था कि मैं तो यह बात चुनावों की वजह से कह रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरा विश्वास है कि यदि देश में यह काला धन वापस आ जाए तो देश का भारी विकास हो सकेगा।

साओन और नागपुर (महाराष्ट्र)

मनमोहन सिंह देश के 'सर्वाधिक कमजोर' प्रधानमंत्री

भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि किसी उप–चुनाव में सत्ताधारी दल के हार जाने के परिणाम इस बात का द्योतक होते हैं कि सरकार शासन करने में असमर्थ है, इसलिए यूपीए को मतदाताओं की चेतावनी पर ध्यान देना चाहिए। नागपुर में एक प्रेस सम्मेलन में आडवाणी ने कहा कि यह लोगों की सरकार को चेतावनी

है कि वे वर्तमान भ्रष्टाचार से थक चुके हैं। हाल के उप–चुनावों के परिणाम सरकार की शासन करने की अक्षमता का प्रतीक हैं।

श्री आडवाणी ने महाराष्ट्र में चल रही यात्रा के दौरान यह बात दोहराई कि उप–चुनावों के परिणाम महत्वपूर्ण होते हैं। यूपीए सरकार को दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ लेना चाहिए। कांग्रेस को हरियाणा में हिसार संसदीय उप चुनाव में पराजय का मुंह देखना पड़ा और इस सीट पर भाजपा समर्थित हरियाणा जनहित कांग्रेस के श्री कुलदीप सिंह विश्नोई को विजय हासिल हुई। कांग्रेस बिहार, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में भी तीन विधान सभा उपचुनाव हारी है।

नागपुर के पास साओनर कस्बे में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए श्री आडवाणी ने कहा कि मनमोहन सिंह आज तक के सभी प्रधानमंत्रियों में सबसे कमजोर प्रधानमंत्री हैं। श्री आडवाणी ने महसूस किया कि जब वे 2009 चुनाव से पूर्व उन्हें 'कमजोर' कहकर आलोचना करते थे तो लोग मुझसे पूछते थे कि वह तो एक अच्छे और ईमानदार आदमी हैं। उन्हें कमजोर कहना कोई अपशब्द नहीं है। परन्तु यदि प्रधानमंत्री सोचते हैं कि वह तब तक कुछ नहीं कर सकते जब तक उन्हें 10 जनपथ से स्वीकृति न मिल जाए तो यह बात उन्हें शोभा नहीं देती है।

नागपुर पहुंचने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कांग्रेस–नीत यूपीए सरकार को काला धन मुद्दे पर उसकी निष्क्रियता की याद दिलायी। सूचना के अधिकार अधिनियम पर मनमोहन सिंह की हाल की टिप्पणी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा पूरा देश जानता है कि आरटीआई से सिस्टम में पारदर्शिता आई है, बल्कि दो कैबिनेट मंत्रियों (प्रणब मुखर्जी और पी. चिदम्बरम) के बीच भी मतभेद सामने आए हैं।

श्री आडवाणी ने कहा कि उनकी यात्रा के पहले सात दिनों में उन्होंने महसूस किया है कि लोगों की प्रतिक्रिया निरंतर बढ़ती चली जा रही है जिससे मुझे महसूस होने लगा है कि वह ऐसे रथ पर सवार हैं जिसकी गति रफ्तार पकड़ती जा रही है।

भाजपा अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी के अलावा पूर्व भाजपा अध्यक्ष श्री एम. वेंकैया नायडू और लोकसभा में भाजपा उप–नेता श्री गोपीनाथ मुण्डे ने श्री आडवाणी की यात्रा का महाराष्ट्र सीमा पर अभिनंदन किया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री आडवाणी के साथ रह कर सीमा पर उन्हें विदाई दी।

वह 18 अक्टूबर को आंध्रप्रदेश में अदीबाबाद में प्रवेश कर गए।

कमारेड्डी (आंध्रप्रदेश)

तेलंगाना राज्य निर्माण के लिए संकल्प शक्ति आवश्यक : आडवाणी

पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने आंध्र प्रदेश में कमारेड्डी में 19 अक्टूबर को जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक अलग तेलंगाना राज्य का निर्माण 1 जनवरी 2012 तक वास्तव में होना सम्भव है, बशर्ते कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी दृढ़ निर्णय ले सकें और संसद के शीतकालीन सत्र में बिल पेश कर दें। श्री आडवाणी ने कहा कि यदि यूपीए सरकार तेलंगाना निर्माण के लिए बिल पेश करे तो भाजपा पूरा समर्थन करेगी। निर्माण की प्रक्रिया को शीतकालीन सत्र के अंत से पूर्व ही पूरा किया जा सकता है।

निजामाबाद में प्रेस सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए तथा जन चेतना यात्रा के भाग के रूप में करीम नगर तथा मेडक जिलों की अनेक 'रोड़ शो' के दौरान श्री आडवाणी ने कहा कि नए राज्य की स्थापना के लिए आंध्र प्रदेश विधानसभा में नया प्रस्ताव पारित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 3 के अन्तर्गत संसद की यह पूरी जिम्मेदारी है कि वह नए राज्य का निर्माण करे। एनडीए

सरकार में गृह मंत्री के रूप में सम्बन्धित बिल के बाद तीन नए राज्यों की प्रक्रिया शुरू कर संसद में पारित किया गया था। इनमें से दो राज्यों में मुझे विधान प्रस्तावों के लिए कहना पड़ा था क्योंकि उनके मुख्यमंत्री विभाजन के खिलाफ थे और एनडीए घटक वहां सत्ता में नहीं थे। अतः मैंने उनसे अपने राज्यों की पूरी राजनैतिक स्थापना से परामर्श करने के लिए कहा था।

तेलंगाना के युवाओं और विद्यार्थियों से अपील करते हुए श्री आडवाणी जी ने कहा कि मैंने ऐसी कभी स्थिति नहीं देखी, जिसमें इतने युवाओं ने अपनी मांग मनवाने के लिए अपने जीवन बलिदान किए हों। यूपीए सरकार पर जमकर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में सरकार अपनी अनिर्णयता तथा निष्क्रियता के कारण पंगु बन कर रह गई है। संसद के दोनों सदनों में 15 दिन के अंदर ही तेलंगाना निर्माण पर अपने रूख में बदलाव कर दिया, जो स्वतंत्र भारत के 60 वर्षों के इतिहास में एक ऐसी बात है जिसका कहीं उदाहरण नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि अब लोग सरकार द्वारा उन्हें धोखा दिए जाने पर आक्रोश प्रगट कर रहे हैं। ■

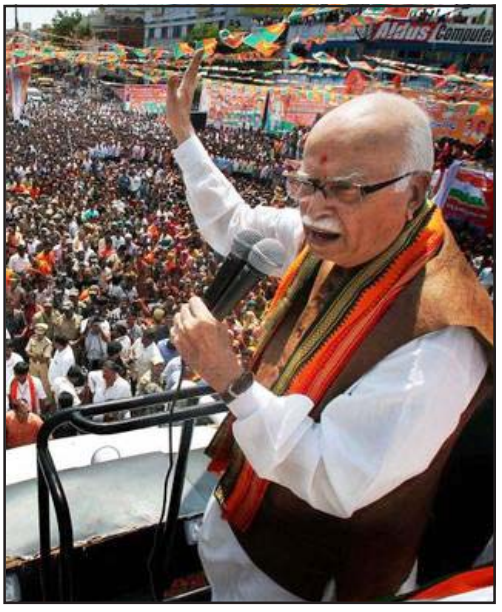

छत्तीसगढ़

राज्य में विकास की अपार संभावनाएं : डॉ. रमन सिंह

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने अमेरिका यात्रा के दौरान वहां के दूसरे सबसे बड़े शहर लॉस एजिंल्स में यूएस इंडिया बिजनेस कौंसिल (यूएसआईबीसी) की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ भारत का नया राज्य है जहां आम जनता की बेहतरी के लिए सामाजिक–आर्थिक विकास की अपार और अदभुत संभावनाएं हैं। बैठक में अमेरिकी उद्योग एवं व्यापार जगत की सौ से अधिक महत्वपूर्ण हस्तियों सहित बड़ी संख्या में अप्रवासी भारतीय उद्यमी भी मौजूद थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री के वक्तव्य पर अपनी उत्साहजनक प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री ने अपने उद्‌बोधन में नए राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ की विगत ग्यारह वर्षों की विकास यात्रा और भावी संभावनाओं पर प्रकाश डाला और प्रश्नोत्तर के सत्र में लोगों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि मंडल से अमेरिकी और अप्रवासी भारतीयों की वहां छत्तीसगढ़ के विकास में सहयोग की संभावनाओं पर हुई सार्थक चर्चा से न सिर्फ विश्व आर्थिक समुदाय बल्कि अप्रवासी भारतीयों के मन ने छत्तीसगढ़ के प्रति एक विश्वास का भाव जागा, जिसके बारे में उन्होंने राज्य के प्रतिनिधि मंड़ल से काफी विस्तार से चर्चा की। डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ की प्रगति का विवरण परत–दर–परत प्रस्तुत किया। उन्होंने राज्य के अदभुत तथा अनमोल संसाधनों से लेकर स्थानीय वातावरण तथा विकास की अपार संभावनाओं का जिक्र किया। उन्होंने प्रति व्यक्ति आय और सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए यह बताया कि समन्वित तथा समग्र विकास की प्राथमिकता ही राज्य की प्रगति का आधार है। बैठक में यूएसआईबीसी के अध्यक्ष अलेक्जेण्डर आर्बेक, एशिया स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव के अध्यक्ष डेविड कॉर्प, बॉयोकॉन के अध्यक्ष जार्जगगनेजा, डायोग्निस्ट के चार्ल्स, डीसी ग्लोबल पार्टनर के चेयरमेन साइमन, डीएनएस आर्किटेक्ट के धीरेन्द्र शाह, अमृत वेंचर के गुंजन बाघेला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव, अमन सिंह ने विस्तृत तथा प्रभावकारी प्रस्तुतिकरण दिया। प्रश्नोत्तर काल में लोगों के सवालों का जवाब मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह सहित अमन सिंह, उद्योग विभाग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव ने दिया। प्रतिभागियों ने ग्रीन एनर्जी, सूचना प्रोद्यौगिकी, जैव प्रोद्यौगिकी, मैनुफेक्चिरिंग आदि क्षेत्रों में गहरी दिलचस्पी दिखलाई। यूएसआईडीसी द्वारा मुख्यमंत्री जी के सम्मान में दोपहर भोज का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन अमृत वेंचर के गुंजन बाघेला ने किया। ■

जन स्वाभिमान यात्रा से भाजपा के पक्ष में बन रहा है माहौल

loknnkrk }kjk

भारतीय जनता पार्टी ''भ्रष्टाचार एवं अपराध'' के खिलाफ प्रभावी अभियान के शंखनाद के साथ 13 अक्टूबर से उत्तर प्रदेश में ''जन स्वाभिमान यात्रा'' निकाल रही है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष श्री कलराज मिश्र के नेतृत्व में पं0 दीनदयाल धाम, मथुरा एवं भारत माता मन्दिर, काशी से शुरु हुई यह यात्रा लगभग पांच हजार किलोमीटर की यात्रा उत्तर प्रदेश के 62 जिलों एवं तीन सौ सत्तर विधान सभाओं में भ्रमण करते हुए ''भ्रष्टाचार–अपराध मुक्त एवं विकास युक्त उत्तर प्रदेश'' के संदेश को घर–घर तक पंहुचायेगी। इस यात्रा के दौरान ''सम्पर्क संवाद, समाधान'' कार्यकम के तहत एक हजार से ज्यादा सभाएं, संवाद चौपालें, संकल्प पंचायतों, समरसता भोजों एवं विजय संकल्प समागम के प्रभावी कार्यकम होगें। जन स्वाभिमान यात्रा का पहला चरण आगामी 13 अक्टबूर से 22 अक्टूबर तक मथुरा से खीरी तक एंव वाराणासी से जालौन तक होगा, वहीं दूसरा चरण 9 नवम्बर से बहराईच से अयोध्या एवं हमीरपुर से अयोध्या तक होगा, 17 नवम्बर को दोनों यात्राएं अयोध्या में एकत्रित होगी जहां ''विजय संकल्प समागम'' के तहत बड़ा कार्यकम होगा। भारतीय जनता पार्टी ने वाराणसी और मथुरा से 13 अक्टूबर को दो रूपों में जन स्वाभिमान यात्रा शुरू की। श्री कलराज मिश्र के नेतृत्व में निकली पहली यात्रा को वाराणसी में भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं इसी दिन मथुरा में श्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में निकली जन स्वाभिमान यात्रा के निमित्त आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम को लोकसभा में विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज, राजग संयोजक शरद यादव और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय कटियार ने संबोधित किया।

जन स्वाभिमान यात्रा में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय कटियार, राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी नरेन्द्र तोमर, राष्ट्रीय प्रवक्ता रामनाथ कोविद, राष्ट्रीय सचिव संतोष गंगवार, अशोक प्रधान, किरीट सोमैय्या, प्रदेश अध्यक्ष श्री सूर्यप्रताप शाही, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा0 रमापति राम त्रिपाठी एवं सुश्री उमा भारती सहित अनेक वरिष्ठ नेतागण समय–समय पर शामिल होते रहे।

भाजपा सरकार बनने पर भ्रष्ट मंत्री और विधायक सीखचों के पीछे होंगे : राजनाथ सिंह

Jh राजनाथ सिंह ने 15 अक्टूबर को पहासू और खुर्जा में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आते ही लोक सेवा गारण्टी लागू करेगी। देश और प्रदेश में बढ़ रही बेकाबू महगाई के लिए कांग्रेस, सपा और बसपा बराबर के साझेदार है। इस शासन में बस कुछ महंगा है, अमन और शांति तो सर्वाधिक महंगी है।

जन स्वाभिमान यात्रा के साथ 17 अक्टूबर को मेरठ पहुंचे श्री राजनाथ सिंह ने किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए कहा कि चाहे केन्द्र की संप्रग सरकार हो या प्रदेश की बसपा सरकार दोनों ने ही किसानों की घोर उपेक्षा की है। आज कृषि क्षेत्र को पश्चिमी देशों में मंदी से लड़ने का कारगर हथियार माना जा रहा है। यदि कृषि क्षेत्र की मौजूदा संभावनओं को ठीक ढंग से विकसित करदिया जाए तो भारत की विकास दर तो बढ़ेगी ही साथ ही महंगाई पर रोक लगेगी।

यात्रा के दौरान 18 अक्टूबर को सहारनपुर में श्री राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में देश

में कांग्रेस के खिलाफ जबर्दस्त हवा चल रही है। इसका ही परिणाम है कि देश के चार राज्यों में लोकसभा और विधानसभा की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी एवं उसके गठबंधन दलों के उम्मीदवार बुरी तरह पराजित हुए हैं।

हरियाणा जहां कांग्रेस पार्टी की सरकार है वहां उनका उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहा और उसकी जमानत तक जब्त हो गई। भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वाले कांग्रेस समेत उन सभी राजनीतिक दलों के लिए यह एक संदेश है।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने 21 अक्टूबर को फरीदपुर, बरेली में अपने संबोधन में कहा कि बसपा सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रदेश को दिवालिया बना दिया है। मुख्यमंत्री की आय में बढोत्तरी का आलम यह है कि वह देश की सबसे अमीर मुख्यमंत्री बन गई है और उ0प्र0 को कंगाल प्रदेश बना दिया है। भ्रष्टाचार के खेल में मुख्यमंत्री मालामाल है प्रदेश कंगाल है। प्रदेश के आधे से भी अधिक सहकारी बैंक दिवालिया हो चुके है और उत्तर प्रदेश दो लाख करोड़ के कर्ज में डूब चुका है। इससे प्रदेश में एक गंभीर आर्थिक संकट की स्थिति पैदा हुई है।

विकास के लिए आये धन का बंदरबांट हुआ : कलराज मिश्र

Hkkरतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष कलराज मिश्र ने 14 अक्टूबर को चकिया, शिकारगंज, बबुरी आदि स्थानों पर आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बसपा सरकार पत्थरों के कारोबार में जुटी है। मूर्तियों और पार्कों के नाम पर 8000 करोड़ के ऊपर खर्च कर दिया है। 685 करोड़ रूपये लागत से बने पार्क का जो मुख्यमंत्री लोकार्पण कर रही है बेहतर होता कि इन पैसों से दलित कल्याण की योजनाओं पर काम होता तो प्रदेश के हालात कुछ और होते।

17 अक्टूबर को श्री कलराज मिश्र ने संतकबीर नगर में एक सभा के दौरान कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने पर मुख्यमंत्री को लोकायुक्त की परिधि में लाया जाएगा क्योंकि राज्य के लगभग एक दर्जन से अधिक मंत्री अपने घोटालों व भ्रष्टाचारों के कारण लोकायुक्त की जांच की घेरे में हैं। यदि लोकायुक्त की जांच के घेरे में मुख्यमंत्री को लाने का प्राविधान होता तो प्रदेश की मुख्यमंत्री भी भ्रष्टाचार के

बसपा सरकार पत्थरों के कारोबार में जुटी है। मूर्तियों और पार्कों के नाम पर 8000 करोड़ के ऊपर खर्च कर दिया है। 685 करोड़ रूपये लागत से बने पार्क का जो मुख्यमंत्री लोकार्पण कर रही है बेहतर होता कि इन पैसों से दलित कल्याण की योजनाओं पर काम होता तो प्रदेश के हालात कुछ और होते।

मामलों में लोकायुक्त जांच के घेरे में होती। 17 अक्टूबर को जौनपुर से प्रारम्भ होकर ढखवां प्रतापगढ़, सोनवां, कोईरीपुर, सुल्तानपुर में सभाओं को अलग–अलग सम्बोधित करते हुए श्री कलराज मिश्र ने बसपा सरकार पर पूर्वांचल के विकास के लिए आवंटित 11वें वित्त आयोग की धनराशि के दुरूपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के विकास के लिए आई धनराशि बसपा के विधायकों और कोआर्डिनेटरों की सुविधानुसार बांटकर बड़े पैमाने पर सरकारी धन की हेरा–फेरी की जा रही है। श्री मिश्र ने सत्तारूढ़ दल द्वारा की जा रही धांधली को रोकने के लिए चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग की है। जन स्वाभिमान यात्रा के क्रम में सुलतानपुर और अमेठी में 18 अक्टूबर को श्री कलराज मिश्र ने आरोप लगाया कि सीबीआई के पास उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में सभी सुबूत मौजूद हैं। इसके बावजूद केंद्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस अपने राजनीतिक नफे–नुकसान को देखते हुए बसपा अध्यक्ष का बचाव कर रही है।

19 अक्टूबर को इलाहाबाद में आयोजित एक पत्रकारवार्ता में श्री कलराज मिश्र ने कहा कि आज के केन्द्र सरकार व उ0प्र0 सरकार ने देश की व्यवस्थाओं को चौपट कर दिया है। देश में किसी भी सरकार की अपेक्षा वर्तमान में भ्रष्टाचार का ही शासन है, सत्ता में बैठा हर आदमी लूट में लगा हुआ है, कांग्रेस मंहगाई और भ्रष्टाचार की जननी है। सपा व बसपा में कोई मौलिक अंतर नहीं है। इनके शासन काल में गुण्डाराज, जातिवाद, भ्रष्टाचार, लूट आदि का बोलबाला रहा और वर्तमान में वृद्धि हुई है। बांदा में 21 अक्टूबर को श्री कलराज मिश्र ने पत्रकारों से वार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश की बदहाल स्थिति के लिए जितना सपा बसपा जिम्मेदार है उतनी ही कांग्रेस भी जिम्मेदार है। ऐसे में आज कांग्रेस महासचिव कैसे कह रहे है कि गरीबों की मदद वाली सरकार बनाये। इन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि गरीबों के लिए इन्होंने क्या किया? क्या आसमान छूती मंहगाई गरीबों के हित में है? दरअसल यह आमजन को धोखा और गरीबों को बेवकूफ बनाने की कांग्रेस की नीति का हिस्सा है। उ0प्र0 को जहां गरीबी के मामले में 10 में 10वां स्थान प्राप्त है वहीं जीडीपी के मामले में 27 राज्यों में उ0प्र0 26वें स्थान पर है, प्रशासनिक तुलना में प्रदेश 28वें स्थान पर है। वित्तीय स्थिति भी 28वें स्थान पर है। संसद में पेश वित्तीय 2010–11 की समीक्षा रिपोर्ट में बताया गया कि प्रदेश आर्थिक विकास की दौड़ में बिहार से भी कई पायदान नीचे चला गया। प्रदेश में जिस तेजी से गरीबी बढ़ रही है वह आगे चलकर आर्थिक अराजकता को जन्म दे सकती है।

झांसी में 22 अक्टूबर को श्री कलराज मिश्र ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए आरोप लगाया कि केन्द्र की सरकार पूर्णतः असफल और पंगु हो चुकी है। वित्त मंत्री कहते हैं कि मंहगाई दिसम्बर 2011 तक कम होगी, लेकिन प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार सी0 रंगराजन कहते हैं कि यह मार्च 2012 तक कुछ नरम होगी वहीं मोंटेक सिंह अहलुवालिया मानते हैं कि यह मार्च 2012 तक ही दहाई से 8 प्रतिशत तक आ सकती है। आखिर जनता किसकी बात सच माने? मंहगाई के मुद्दे पर परस्पर विरोधी बयानबाजी से जनता का भला कैसे होगा? ■

एनडीए की तरफ बढ़ता जा रहा जनमत : अरुण जेटली

राज्यसभा में विपक्ष के नेता श्री अरुण जेटली एक ऐसे अग्रणी व्यक्तित्व हैं जिन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से अपनी राजनीति की शुरुआत की, जब वे दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। उनके पास विभिन्न राजनीतिक, चुनावी तथा कानूनी संघर्षों के अनुभव तो है ही, साथ ही साथ वह एक प्रखर वक्ता एवं वाद विवाद कला के धनी हैं जिससे वे दिग्गज वक्ताओं की श्रेणी में गिने जाते हैं। वह भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी प्रवक्ता भी रह चुके हैं। उन्होंने श्री अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार में केन्द्रीय कानून मंत्री के रूप में भी काम किया था।

*पिछले दिनों भाजपा साहित्य एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक **श्री अम्बाचरण वशिष्ठ** ने नई दिल्ली स्थित जेटली जी के निवास पर उनसे बातचीत की, जिनके प्रमुख अंश नीचे उद्धृत हैं:*

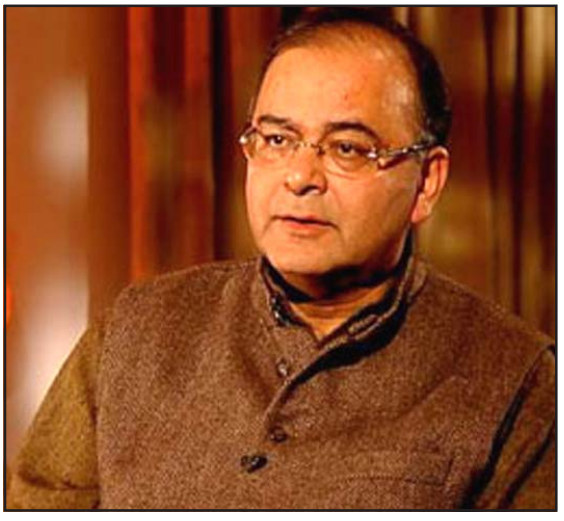

राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में पिछले दो वर्षों से कार्य करते हुए आप सदन में अपनी पार्टी की कार्यक्षमता से कितना संतुष्ट हैं?

व्यक्तिशः, मैं बहुत संतुष्ट हूं। परन्तु यह बात अन्य लोगों के समझने और देखने से सम्बन्धित है। मुझे यह कहते हुए हर्ष होता है कि हमारी पार्टी के लगभग सभी सांसदों ने बहस में भाग लेकर तथा सार्वजनिक महत्व के प्रमख मुद्दे उठा कर अपना गहन योगदान दिया है। राज्यसभा में पूरे विपक्ष का समग्र प्रदर्शन भी प्रशंसनीय रहा है।

२७ अगस्त २०११ को संसद के दोनों सदनों ने एक सर्वसम्पन्न प्रस्ताव या सदन की भावना, चाहे इसे जो भी कहा जाए, पारित किया था। क्या इससे श्री अन्ना हजारे की धारणा के अनुकूल एक मजबूत लोकपाल बिल को संसद में सुचारु रूप से पारित करने का रास्ता साफ हुआ है?

संसद ने निश्चित ही एक प्रस्ताव पारित किया और इससे एक प्रभावशाली लोकपाल बिल पास करने का रास्ता साफ होना चाहिए। अब यह यूपीए सरकार पर निर्भर करता है कि वह स्थायी समिति की सिफारिशों वाले बिल को प्रस्ताव को सदन में लाए। किन्तु, लगता है कि कांग्रेस किसी न किसी तरह से एक मजबूत लोकपाल बिल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हट रही है। बहुत कुछ इसी बात पर निर्भर करेगा कि सरकार सदन में किस प्रकार का बिल पेश करती है।

कांग्रेस एक मजबूत लोकपाल बिल के लिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध अन्ना हजारे के अभियान को भाजपा और रा.स्व.सं. को लपेट कर कमजोर करने की कोशिश कर रही है। आप इस स्थिति को किस दृष्टि से देखते हैं?

भाजपा और रा.स्व.सं. तो भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान की भावना का समर्थन मात्र कर रहा है। अभियान पूरी तरह से सिविल सोसाइटी का अभियान है और अन्ना हजारे इसका नेतृत्व कर रहे हैं। कांग्रेस के लिए यह आरोप लगाना एकदम गलत है कि भाजपा या रा.स्व.सं. का इसमें कोई हाथ है।

लगता है कि २००८ में ''नोट के बदले वोट'' के घोटाले में जांच एजेंसी ने भाजपा को यह कहकर लपेट लिया है कि इसके सांसदों और सुधीन्द्र कुलकर्णी ने 'व्हिसलर ब्लोअर'

का काम किया है। ऐसा कैसे हो गया?

'नोट के बदले वोट' घोटाले की जांच पूरी तरह से दोषपूर्ण है। सांसद और श्री सुधीन्द्र कुलकर्णी 'व्हिसल ब्लोअर' थे। जब एक बार जांच में सिद्ध हो गया कि वास्तव में घूस दी गई और कोई मामला शुरूआत में नहीं बना तो फिर घूस देने के षड्यंत्र में 'व्हिसल ब्लोअरों' को शामिल करना एकदम गलत है। 'व्हिसल ब्लोअरों' का इरादा तो घूस का पर्दाफाश करना था, न कि इसमें शामिल होना था।

गत शीतकालीन सदन सत्र 2जी स्पेक्ट्रम मुद्दे पर विपक्ष की जेपीसी की मांग को पूरा करने के बारे में यूपीए की सरकार की जिद्द के कारण ठप हो गया। बार-बार ऐसे अवसर आते हैं जब संसद में सरकार और विपक्ष के बीच अनेक मुद्दों पर गतिरोध पैदा होता है। आपकी राय में, इस प्रकार की घटनाएं भविष्य में बार-बार न हो, इस बारे में क्या होना चाहिए?

इतिहास बताता है कि विपक्ष का दृष्टिकोण सही रहा है। 2010 का शीतकालीन सत्र गम्भीर आरोपों और जेपीसी के गठन की मांग के कारण ठप होकर रह गया। 2010 के बाद जितनी भी घटनाएं हमारे सामने आई हैं, उनसे यह स्पष्ट रूप से सिद्ध हो गया है कि आपराधिक कदाचार के मामले थे, जिनके लिए आरोप पत्र दाखिल हुए और अनेक लोग जेल की हवा खा रहे हैं। यदि शीतकालीन सत्र में विपक्ष का दबाव न होता कि यह सब कुछ न हो पाता।

मैं विदेशी बैंकों के खातों में भारतीयों द्वारा जमा किए धन को वापस लाने और इसकी प्रगति पर नजर रखने के लिए यूपीए सरकार द्वारा उठाए कदमों से जरा भी संतुष्ट नहीं हूं। वास्तव में सरकार ने कोई भी सक्रिय कदम नहीं उठाया है जबकि कई अन्य विकसित देशों से कदम उठाए हैं।

पीएसी और जेपीसी अभी तक ऐसे फोरम (मंच) रहे हैं जो प्रत्येक मामले के गुणावगुणों और राष्ट्रीय हित में गैर-राजनीतिक रूप से काम करते रहे हैं। परन्तु अब ऐसा लगता है कि यह भावना लुप्त होती जा रही है। यदि गुणावगुणों और राष्ट्रीय हित छोड़कर सांसदगण राजनीतिक तथा चुनावी विचारों पर अधिक ध्यान देने लगेंगे तो यह स्थिति तो संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने में बाधक बन जाएगी?

मेरे विचार में पीएसी और जेपीसी के कार्यों की विशेषताओं को मलियामेट किया जा रहा है क्योंकि कांग्रेस दोनों समितियों की कार्यवाहियों में बाधा डालना चाहती है। कांग्रेस दोनों समितियों को यथार्थ रूप से निष्कर्ष निकालने का अवसर ही देना नहीं चाहती है, बल्कि उसका उद्देश्य तो दोषों पर पर्दा डालना है।

आज ऐसी बहुत सी बातें हो रही है, विशेष रूप से प्रधानमंत्री 'न्यायपालिका की अपनी सीमापार' करने की शिकायत करते रहते हैं। आज की वर्तमान स्थिति में आपकी इस बारे में क्या राय है कि जहां न्यायपालिका को ऐसे अनेकों मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है जबकि स्वयं सरकार को ही इन पर स्वयं कार्य करना चाहिए?

न्यायपालिका को अपनी सीमा से बाहर नहीं जाना चाहिए। न्यायिक सक्रियता और न्यायिक संयम दोनों ही एक सिक्के के दो पहलू हैं। सक्रियता केवल सरकार को अपना कार्य करने के निर्देश तक सीमित करती है। यह सरकार के कार्यों का न्यायिक बलात् अधिकरण नहीं है।

क्या आप विदेशी बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा कराए गए अवैध धन की वापिसी के बारे में यूपीए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से संतुष्ट हैं?

मैं विदेशी बैंकों के खातों में भारतीयों द्वारा जमा किए धन को वापस लाने और इसकी प्रगति पर नजर रखने के लिए यूपीए सरकार द्वारा उठाए कदमों से जरा भी संतुष्ट नहीं हूं। वास्तव में सरकार ने कोई भी सक्रिय कदम नहीं उठाया है जबकि कई अन्य विकसित देशों ने कदम उठाए हैं।

जेएमएम रिश्वतखोरी मामले जैसे घोटालों में अभी तक संसदीय विशेषाधिकारों का संहिताबद्ध न करने के कारण लगता है कि दोषियों को सजा दिलाना मुश्किल हो गया है। आखिर संसद को इन विशेषाधिकारों की आड़ में भ्रष्टाचार और अपराधों का अड्डा नहीं बनने दिया जा सकता है। इस स्थिति का क्या उपाय हो सकता है?

मैं इस बात पर इतना निराशावादी नहीं हूं कि विशेषाधिकारों के संहिताबद्ध न होने से संसद भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाएगी। आखिर, विशेषाधिकारों के संहिताबद्ध के बिना भी ऐसे बहुत से मामले हैं, जैसे 'प्रश्न पूछने के बदले धन लेना', जहां संसद ने लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है।

यूपीए शासन में एक नई बात उभर कर सामने आई है जिसमें यदि कोई व्यक्ति कांग्रेसी मंत्रियों, नेताओं, व्यक्ति और पार्टी पर आरोप लगाता है तो बजाए इसके कि वे अपनी निर्दोषिता सिद्ध करें, ये लोग ही पलट कर वार करने की कोशिश करते हैं जिससे दोषी व्यक्तियों की अपेक्षा आरोपकर्ता व्यक्ति को ही अधिक भ्रष्ट रूप में चित्रित किया जाए। इन घटनाओं पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है?

दो गलतियां करने से कोई एक बात सही नहीं बन जाती है। मात्र एक–दूसरे पर प्रत्यारोप लगाने से आपकी छवि स्वच्छ नहीं बनती है। जहां कहीं भी भ्रष्टाचार हो, चाहे वह किसी भी पार्टी में पाया जाए, हमें तो भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना चाहिए।

केन्द्रीय विधि मंत्री सलमान खुर्शीद ने भाजपा को चुनौती दी है कि वह कर सके तो साम्प्रदायिक हिंसा निवारण बिल को पारित न होने दे। आपका क्या कहना है?

मेरे विचार में शायद ही ऐसा कोई भी मुख्यमंत्री या कोई भी समझदार व्यक्ति होगा, जिसके पास थोड़ी सी भी राजनैतिक दृष्टि है, जो इस बिल का समर्थन करेगा। इससे संविधान का पूरा का पूरा परिसंघीय ढांचा ही ध्वस्त होकर रह जाएगा। यह एकदम भेदभावपूर्ण है। किसी ने अपराध किया हो या न हो, इसमें अपराधी के पैदाइशी चिह्न पर निर्भर होना पड़ता है।

हम द्वि–गठबंधन प्रणाली में चल रहे हैं। यदि यूपीए नीचे जाती है तो एनडीए को लाभ मिलता है। फिलहाल, भाजपा के कार्यों में काफी सुधार हुआ है और पार्टी में वातावरण भी कहीं बेहतर है।

अमरीका और यू.के. जैसे लोकतंत्र देशों में विधि-निर्माता आतंकवाद, भ्रष्टाचार और कालाधन के खिलाफ जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर राष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए अपनी आत्मा के आधार पर काम करते हैं। इन मुद्दों के लिए उन्हें क्या करना है, क्या बोलना है, उन्हें अपने राजनैतिक आकाओं की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होती है। भारत में ऐसा क्यों है?

विशेष रूप से यू.के. में जब उनके सिस्टम में दल–बदल की बात आई तो राजनैतिक बदलाव किया गया परन्तु इससे ब्रिटिश राजनीति की नैतिकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। भारत में दल–बदल की राजनीतिकता पर जरूर प्रभाव पड़ा और इसी लिए यह आवश्यक समझा गया कि दल–बदल पर प्रतिबंध लगाया जाए और एक दल–बदल निरोधक कानून बनाया गया ताकि सुनिश्चित किया जाए कि सदन में 'व्हिप' का उल्लंघन न हो।

2जी स्पेक्ट्रम घोटाले के सामने आने तक प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को एक 'स्वच्छ छवि' वाला व्यक्ति माना जाता था। अब जब गृहमंत्री पी. चिदम्बरम पर उंगली उठने लगी और ए. राजा ने दावा करने की कोशिश की है कि सब कुछ प्रधानमंत्री की जानकारी में हुआ है तो क्या प्रधानमंत्री की छवि पर असर नहीं पड़ा है?

प्रधानमंत्री एक कमजोर नेता है। वह सत्ता में बने रहने की खातिर समझौते करते रहते हैं। इसका असर यह हुआ है कि वह निजी रूप से स्वच्छ होने का दावा करते हों परन्तु वह इतिहास में सबसे बड़ी बेईमान सरकारों में से आज की सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

यदि सुप्रीम कोर्ट के दबाव में पी. चिदम्बरम को त्यागपत्र देना पड़ता है तो क्या आप समझते हैं कि मनमोहन सरकारा लड़खड़ा जाएगी और पांच विधानसभाओं के चुनाव के साथ लोक सभा के लिए भी मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं?

मुझे नहीं पता कि पी. चिदम्बरम के बारे में सुप्रीम कोर्ट क्या कहेगा। परन्तु प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि वह 2008 और 2010 में स्पेक्ट्रम के आवंटन के बारे में राजा के प्रस्तावों से सहमत थे।

आपकी राय में लोकसभा में मध्यावधि चुनावों का क्या निष्कर्ष निकलेगा?

मेरे ख्याल में, यदि आज चुनाव हो जाए तो कांग्रेस की पराजय होगी। वह रक्षात्मक रहेगी। उसकी छवि बुरी तरह से कलंकित हो चुकी है। यूपीए में विश्वसनीयता और नेतृत्व का गहरा संकट छाया है।

यूपीए का ग्राफ पर्याप्त रूप से नीचे जाने और भाजपा-नीत एनडीए के ऊपर चढ़ने की खबरों के बीच मीडिया में एनडीए के प्रधानमंत्री उम्मीदवार के बारे में अटकलें लगाना शुरू हो गया है। क्या आपको इस बारे में कुछ कहना है?

स्पष्ट है कि हम द्वि–गठबंधन प्रणाली में चल रहे हैं। यदि यूपीए नीचे जाती है तो एनडीए को लाभ मिलता है। फिलहाल, भाजपा के कार्यों में काफी सुधार हुआ है और पार्टी में वातावरण भी कहीं बेहतर है। इसलिए, लोगों के मन में अटकलें हैं कि यदि एनडीए सत्ता में आती है तो क्या होगा? परन्तु प्रधानमंत्री उम्मीदवार के बारे में अभी कुछ कहना ज्यादह जल्दबाजी होगी। हम उचित समय पर निर्णय लेंगे और लोकतांत्रिक प्रणाली के अनुसार फैसला करेंगे। ■

उपचुनावों में एनडीए की शानदार जीत

कांग्रेस की सभी सीटों पर हार

हाल ही में हिसार लोकसभा सहित तीन विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एक ओर जहां कांग्रेस के प्रति लोगों में बेहद आक्रोश है वहीं भाजपानीत एनडीए के प्रति जनविश्वास बढ़ रहा है। बेलगाम महंगाई और भ्रष्टाचार से त्रस्त मतदाता कांग्रेस को सबक सिखा रहे हैं। कांग्रेस को हरियाणा में हिसार लोकसभा सीट सहित महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और बिहार की विधानसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है, जबकि इनमें बिहार को छोड़कर सभी तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है इन सभी सीटों पर पिछले 13 अक्टूबर को वोट डाले गए थे और परिणाम 17 अक्टूबर को आए।

हरियाणा

भाजपा-हजकां गठबंधन ने मारी बाजी, कांग्रेस की जमानत जब्त

हजकां–भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार कुलदीप विश्नोई ने हिसार लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत दर्ज की। उपचुनाव में कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही और उसकी जमानत तक जब्त हो गई। गौरतलब है कि इस चुनाव में समाजसेवी अन्ना हजारे ने भी मतदाताओं से कांग्रेस को करारी शिकस्त देने की अपील की थी वहीं टीम के अन्य सदस्यों ने अभियान चलाया था। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत भजन लाल के पुत्र विश्नोई (42 वर्ष) ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी और राज्य के पूर्व मख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के पुत्र एवं इनेलोद सदस्य अजय सिंह चौटाला को 6,323 मतों के अंतर से पराजित किया। भाजपा के साथ गठजोड़ कर चुनाव लड़ने वाली हरियाणा जनहित कांग्रेस (एचजेसी) के विश्नोई को 3,55,941 मत प्राप्त हुए। जबकि चौटाला को 3,49,618 मत और तीसरे स्थान पर रहे जयप्रकाश को 1,49,785 मत प्राप्त हुए। हिसार उपचुनाव के नतीजों पर मतदाताओं का धन्यवाद करते हुए लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा, 'भाजपा–एचजेसी गठबंधन भविष्य में भी जारी रहेगा।'

महाराष्ट्र

खडगवासला सीट पर भाजपा की जीत

महाराष्ट्र विधानसभा की खडगवासला सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा–शिवसेना गठबंधन को जीत हासिल हुई। भाजपा उम्मीदवार भीमराव तपकीर ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राकांपा उम्मीदवार हर्षदा वंजाले को करीब 3500 वोटों से हरा दिया। यह सीट वंजाले के पति और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) विधायक रमेश वंजाले के निधन से खाली हुई थी।

बिहार

सीवान में एनडीए प्रत्याशी जीतीं

बिहार में सीवान जिले के दरौंदा विधान सभा उपचुनाव में जनता दल यूनाईटेड (जदयू) की प्रत्याशी कविता सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के परमेश्वर सिंह को 20 हजार 92 मतों से पराजित कर दिया। दरौंदा विधानसभा उप चुनाव में मतगणना की समाप्ति के बाद कविता सिंह को 51754 और सिंह को 31662 मत मिले। इस उप चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कालिका शरण सिंह तीसरे स्थान पर रहे और उन्हे 4238 मत प्राप्त हुए। उल्लेखनीय है कि जद यू की विधायक जगमातो देवी के निधन के कारण इस सीट पर उप चुनाव कराए गए थे। जद यू प्रत्याशी कविता पूर्व विधायक जगमातो देवी की पुत्रवधु है।

आंध्रप्रदेश

टीआरएस के खाते में बंसवाडा विधानसभा सीट

तेलंगाना राष्ट्र समिति के उम्मीदवार पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने आंध्रप्रदेश के निजामाबाद जिले में बांसवाड़ा विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में निकटतम प्रतिद्वन्द्वी कांग्रेस के श्रीनिवास गौड़ को 49,889 मतों से पराजित किया। पोचाराम ने पृथक राज्य की मांग के समर्थन में तेदेपा के सदस्य के रूप में विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और टीआरएस में शामिल हो गए थे। 13 अक्तूबर को हुए उपचुनाव में तेदेपा और भाजपा ने अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था। चुनाव में पड़े 1,22,872 मतों में पोचाराम को 83,245 मत प्राप्त हुए जबकि गौड़ को 33,536 मत प्राप्त हुए। ■

नितिन गडकरी की पुस्तक 'विकास के पथ' का लोकार्पण

भ्रष्टाचार व आतंकवाद के विरुद्ध दिलों में आग जले : श्री श्री रविशंकर

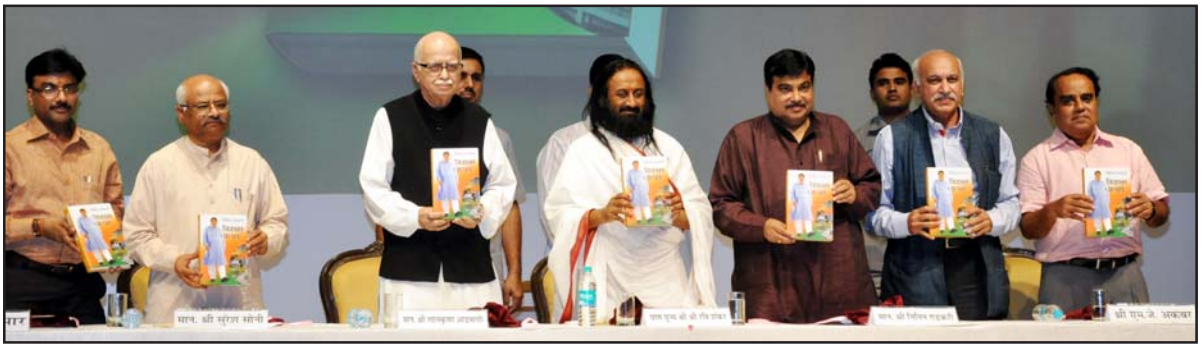

गत 8 अक्तूबर को प्रभात प्रकाशन द्वारा दिल्ली के सिरीफोर्ट ऑडिटोरियम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी की पुस्तक 'विकास के पथ..' का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। लोकार्पण 'आर्ट आफ लिविंग' के संस्थापक पूज्य श्री श्री रविशंकर ने किया व समारोह की अध्यक्षता पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने की। मुख्य अतिथि थे रा.स्व.संघ के सह सरकार्यवाह श्री सुरेश सोनी एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री एम.जे.अकबर थे। मंचस्थ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारंभ किया। प्रभात प्रकाशन के निदेशक श्री प्रभात कुमार व डा.पीयूष कुमार ने मंचस्थ अभ्यागतों का स्वागत किया। पुस्तक का सम्पादन तरुण भारत (नागपुर) के राजनीतिक सम्पादक श्री रवीन्द्र दाणी ने किया है। इस समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक क्षेत्रों के अग्रणी महानुभाव, साहित्यकार, पत्रकार, साहित्य प्रेमी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

'विकास के पथ...' का लोकार्पण पूज्य श्री श्री रविशंकर जी ने आधुनिक तकनीकी से पहले रिमोट द्वारा किया, फिर मुद्रित प्रति का परम्परागत तरीके से लोकार्पण संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा, 'मैं भ्रष्टाचार और आतंकवाद के खिलाफ लोगों के दिलों में आग जगाना चाहता हूं।' उन्होंने नेताओं को जनता और राष्ट्र की भलाई के बारे में पहले सोचने का संदेश देते हुए कहा कि विकास और सकारात्मक सोच के द्वारा ही राजनेता जनता में अपनी स्वच्छ छवि बना सकते हैं।

रा.स्व.संघ के सह सरकार्यवाह श्री सुरेश सोनी ने कहा कि श्री गडकरी सामाजिक परिवर्तन के लिए राजनीति कर रहे हैं, यही सही अवधारणा है। वरिष्ठ पत्रकार श्री एम.जे.अकबर ने कहा कि राजनीति विकास की होनी चाहिए, जज्बातों की नहीं। दु:ख की बात है कि देश में पिछले सौ सालों से जज्बात की ही राजनीति हुई है।

इस अवसर पर पुस्तक के लेखक श्री नितिन गडकरी ने कहा, 'मैं हमेशा से ही विकास की राजनीति का पक्षधर रहा हूं और राजनीति को समाज परिवर्तन का एक माध्यम मानता हूं।' अध्यक्षीय उद्‌बोधन में वरिष्ठ भाजपा नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते राजनेताओं की छवि खराब हुई है। भ्रष्टाचार ने आम आदमी का रवैया नेताओं के प्रति तिरस्कारपूर्ण बना दिया है। ■

'विकास के पथ...' का लोकार्पण पूज्य श्री श्री रविशंकर जी ने आधुनिक तकनीकी से पहले रिमोट द्वारा किया, फिर मुद्रित प्रति का परम्परागत तरीके से लोकार्पण संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा, 'मैं भ्रष्टाचार और आतंकवाद के खिलाफ लोगों के दिलों में आग जगाना चाहता हूं।' उन्होंने नेताओं को जनता और राष्ट्र की भलाई के बारे में पहले सोचने का संदेश देते हुए कहा कि विकास और सकारात्मक सोच के द्वारा ही राजनेता जनता में अपनी स्वच्छ छवि बना सकते हैं।

राज्य के विकास में केंद्र अटका रही रोड़ा : नितिन गडकरी

jk ज्य में अगामी विधान सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन परेड ग्राउंड में किया। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने केंद सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार के आंकठ मे डूबी हुई हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य को देवभूमि के नाम से जाना जाता है। फिर भी केंद सरकार राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी पार्टी को राज्य की सत्ता से कोसों दूर रखना होगा। इसके लिए गांव–गांव तक इनके कारनामों को बताना होगा।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य पहाड़ियों से भरा पड़ा है। जिसकी एक अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि जहां की नौसर्गिक दृश्य देख लोग भावविभोर हो उठते है। उन्होने पूर्व अटल सरकार के कार्यो को याद दिलाते हुए कहा कि उनके शासन काल में उत्तराखण्ड के बेराजगारों के लिए विशेष पैकेज दी जा रही थी। लेकिन जैसे ही केंद्र की सत्ता पर कांग्रेस बैठी इस राज्य के नौजवानों की पेट पर लात मार दी। उन्होंने कहा कि देश हित में सरकार नही है यहां तो मां और बेटे की सरकार है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में देश के किसानों और बेरोजगार युवकों का कल्याण कभी नहीं होने वाला है। इसलिए ऐसी पार्टी को राज्य के 2012 विधानसभा व लोकसभा चुनाव में सबक सिखाना होगा।

नितिन गडकरी ने कहा कि हर मोर्चे पर ये सरकार विफल साबित हुई है। इसलिए ऐसे सरकार को सत्ता में बैठने का कोई अधिकार नही है। जिस सरकार के सारे के सारे मंत्री जेल में भरे हैं। यहां तक कि गृहमंत्री भी भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए है। फिर भी मनमोहन सरकार अपने को पाक साफ बताकर जनता को गुमराह कर रही है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि भाजपा शासन काल में तीन राज्यों का गठन हुआ था। इन राज्यों के विकास के लिए अटल सरकार ने विशेष सुविधा मुहैया कराई थी। लेकिन भाजपा से वैर भाव रखने वाली कांग्रेस पार्टी के सरकार राज्य की जनता के हित में मिलने वाली आर्थिक मदद बंद कर दी। उन्होंने कहा कि इस देवतुल्य राज्य के साथ केंद्र सरकार अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में कुछ वर्षो को छोड़ दिया जाए जो एक तरफा कांग्रेस का हुकुमत देश पर चलता रहा है। फिर भी विकास के नाम पर शून्य है। उन्होंने अटल सरकार के पिछले कार्यों को चुनौती के तौर पर पेश करते हुए कहा कि कोई लाल हो तो इतने कम समय में बेहतर शासन करके दिखा दे। उन्होंने कहा कि जिस शासन में पेट्रोल की कीमत अब तक आठ बार बढ़ चुकी। जहां घोटालों का अंबार लगा हुआ है। जब विपक्ष उनसे सवाल करती है, तो जवाब मिलता है कि जल्द काबू पा लिया जाएगा। लेकिन काबू के बदले और महंगाई बढ़ती जा रही है। जहां एक तरफ किसान व बेरोजगार युवक पर आर्थिक संकट का बोझ बढ़ता जा रहा है। वहीं सरकार देश और विदेशी नीति पर चुप्पी साधी हुई है। इसलिए ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नही है। उन्होंने कहा कि राज्य के हित में भाजपा को दुबारा सत्ता में लाना होगा।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं को चुनाव के तैयारियों के मद्देनजर राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री रामलाल ने मार्गदर्शन दिए और जन–जन तक जाकर केंद्र सरकार की नाकामियों को बताने को कहा।

प्रदेश के मुख्यमंत्री भुवनचन्द्र खंडूडी ने कहा कि सरकार जनता के हित में कोई कसर नही छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि न्याय की पारदर्शिता लाने के लिए महीने भर के अंदर लोकपाल कानून को तैयार किया जाएगा और संपत्ति का ब्यौरा सभी अधिकारी को 15 अक्टूबर तक सौंपने को कहा गया है। अगर आय से अधिक संपत्ति जिस अधिकारियों के पास पायी गयी तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर जनहित में उसके संपत्ति को उपयोग किया जाएगा।

इस मौके पर पार्टी चुनाव समिति के अध्यक्ष सर्वश्री भगत सिंह कोश्यारी, राष्ट्रीय महामंत्री, थावर चन्द्र गहलोत, सौदान सिंह, धर्मेन्द्र प्रधान व पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बिशन सिंह चुफाल सहित तमाम गणमान्य पदाधिकारी पार्टी हित में कार्यकर्ताओं को संकल्प लेने को कहा। जिससे अगामी चुनाव में विजयी पताका दुबारा फहराया सके। ■

14]000 करोड़ का वोडाफोन घोटाला :

चिदम्बरम-प्रणव ने एक बार फिर एक-दूसरे की बात का खंडन किया - भाजपा द्वारा सीबीआई जांच की मांग

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. किरीट सोमैया द्वारा 14 अक्टूबर 2011 को जारी प्रेस वक्तव्य का पूरा पाठ

अक्तूबर, 2011 में प्रणव मुखर्जी – वित्त मंत्रालय ने वर्ष 2007 के वोडाफोन–हचीसन सौदे को अब एक 'धोखा' माना है। एक बार फिर चिदम्बरम और प्रणव मुखर्जी ने एक–दूसरे की बात का खंडन किया। इस बार यह 14,000 करोड़ रूपये का वोडाफोन दूरसंचार घोटाला है।

भाजपा राष्ट्रीय सचिव और घोटाला पर्दाफाश समिति के अध्यक्ष डॉ. किरीट सोमैया, ने कांग्रेस सरकार के वोडाफोन घोटाले संबंधी 2007 से अक्तूबर 2011 तक के विभिन्न दस्तावेजों को रिलीज़ किया। यह अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि वित्त मंत्रालय की कड़ी आपत्तियों के बावजूद, तत्कालीन वित्तमंत्री श्री चिदम्बरम ने धोखाधड़ी पूर्ण वोडाफोन – हचीसन सौदे को उचित ठहराया। दिनांक 4 मई, 2007 के 2 पैराग्राफ वाले अपने स्वयं के नोट में श्री चिदम्बरम ने वित्त मंत्रालय की आपत्तियों को दर–किनार कर दिया और वोडाफोन–हचीसन – 14,000 करोड़ रूपये के घोटाले का समर्थन किया।

सितम्बर, 2011 में उच्चतम न्यायालय के समक्ष दाखिल किए गए अपने हलफनामे में वित्त मंत्रालय ने यह स्वीकार किया है कि वोडाफोन इंटरनेशनल ने भारत में एचईएल में हिस्सेदारी हासिल करने के अपने सौदे में गलत तथ्य बताये थे, भारतीय कानूनों में हेरा–फेरी की थी और एफआईपीबी और ट्राई के मानदंडों और दूर–संचार गाइडलाइंस का उल्लंघन किया था। आश्चर्य की बात यह है कि वर्ष 2007 में तत्कालीन वित्त मंत्री, श्री पी. चिदम्बरम ने बिल्कुल विपरीत रूख अपनाया था। श्री चिदम्बरम के निर्णय ने न केवल वोडाफोन को दूरसंचार में एफडीआई निवेश की सेक्टोरल कैप संबंधी एफडीआई गाइडलांइस का उल्लंघन करने के लिए प्रोत्साहित किया अपितु भारतीय कानूनों के अन्तर्गत 14,000 करोड़ रूपये का कर भी बचाया।

भाजपा राष्ट्रीय सचिव और घोटाला पर्दाफाश समिति के अध्यक्ष, डॉ. किरीट सोमैया ने बताया कि यह एक और ऐसा मामला है जहां पर श्री प्रणव मुखर्जी और श्री चिदम्बरम ने एक–दूसरे की बात का खंडन किया। इसने 'वोडाफोन–हचीसन' को 14,000 करोड़ रूपये हड़पने के लिए प्रोत्साहित किया और ऐसा करने के लिए उसका समर्थन किया। मामला उच्चतम न्यायालय में अंतिम चरण में है।

सोलिसिटर जनरल, श्री रोहिन्टन नारीमन का कहना है - 'वोडाफोन-हचीसन सौदा बोगस है'

अक्तूबर 2011 में भारत सरकार की ओर से मामले की पैरवी करते समय सोलिसिटर जनरल श्री रोहिन्टन नारीमन ने कहा कि पूर्व के हचीसन ग्रुप के निवेश का सम्पूर्ण कारपोरेट स्ट्रक्चर बोगस था। श्री नारीमन ने आगे बताया कि केमन आईलैन्ड्स निवेश कम्पनियों के माध्यम से 'वोडाफोन–हचीसन' शेयरों की बिक्री कर से बचने की योजना के अलावा और कुछ नहीं था।

सोलिसिटर जनरल ने यह तर्क दिया कि एचईएल में श्री अनलजीत सिंह और श्री असीम घोष के 20 प्रतिशत शेयर नकली समझौतों के माध्यम से एचटीआईएल के नियंत्रण में थे। श्री नरीमन ने यह भी कहा कि 18,500 से अधिक कम्पनियों का उसी पते पर पंजीकरण किया गया था, जिस पते पर सीजीपी वोडाफोन हचीसन ग्रुप कम्पनी का पंजीकरण था।

प्रणव मुखर्जी के वित्त मंत्रालय का अब यह कहना है कि वोडाफोन एक धोखा है

सितम्बर, 2011 में उच्चतम न्यायालय में वित्त मंत्रालय द्वारा दाखिल किए गए एक हलफनामे में मंत्रालय ने बताया है कि वोडाफोन–हचीसन के अभ्यवेदन और लेन–देन मात्र एक धोखा हैं। अनेक बेनामी, बोगस, गैर–पारदर्शी कम्पनी निवेश, लेन–देन केवल एफडीआई/एफआईपीबी गाइडलाइंस का उल्लंघन करने और 14,000 करोड़ रूपये का कर बचाने के लिए थे।

वर्ष २००७ में वित्त मंत्रालय द्वारा उठाई गई कड़ी आपत्ति

वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने भी उस समय वही विचार व्यक्त किये जब 'वोडाफोन–हचीसन' ने अक्तूबर, 2007 में अपना प्रस्ताव वित्त मंत्रालय के निवेश व्यापार डिवीजन को भेजा था, जहां पर 20/04/2007 के श्री पी.के. बग्गा के हस्ताक्षरयुक्त एक नोट में बताया गया था कि "एचईएल के प्रतिनिधियों ने बोर्ड द्वारा पूछे गए विशिष्ट प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाये थे।" वित्त मंत्रालय के एफटी डिवीजन के तत्कालीन संयुक्त सचिव श्री अनूप के. पुजारी ने 26/04/2007 को यह नोट किया, "स्पष्ट आशय यह था कि अनलजीत सिंह और असीम घोष ग्रुप ऑफ कम्पनीस अपने नाम पर शेयर केवल इसलिए रख रहे थे ताकि एफडीआई पर लगाई गई सेक्टोरल सीमाओं का उल्लंघन किया जा सके।"

चिदम्बरम ने वित्त मंत्रालय की आपत्ति को खारिज किया

उपर्युक्त दो नोटों के बावजूद, जिनसे स्पष्ट रूप से यह सिद्ध होता है कि लेन–देन प्रत्येक दृष्टि से उल्लंघनकारी था, तत्कालीन वित्त मंत्री, श्री पी. चिदम्बरम ने दिनांक 04/05/2007 के अपने नोट में लेन–देन को स्वीकृति प्रदान की और वोडाफोन का समर्थन किया। उन्होंने निम्न शब्दों में वही बात कही :

"एजी ग्रुप, एएसग्रुप और एसएमएमएस, प्रत्येक कम्पनी अलग–अलग यह अन्डरटेकिंग दे कि वह किसी अन्य पार्टी के साथ किये गये किसी भी समझौते के बावजूद सरकार की पूर्व सहमति के बिना अपनी वित्तीय और आर्थिक हाल्डिंग और इंटरेस्ट किसी भी विदेशी कम्पनी को ट्रांस्फर नहीं करेगी। इस प्रकार की सहमति को तब तक नहीं रोका जायेगा यदि प्रस्तावित लेनदेन समय–समय पर संशोधित वर्ष 2007 के प्रेस नोट संख्या 3 के अनुरूप हो।" यह व्याख्या लेन–देन को जानबूझ कर अनुमति देने के लिए लागू होने वाली सभी क्लॉजों के अनुरूप की गई थी।

इन तथ्यों का वर्णन करते हुए डॉ. किरीट सोमैया ने मांग की है कि वित्त मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय को अपने मंत्रालय की राय खारिज करने और एचईएल में वोडाफोन द्वारा शेयरों की खरीद को स्वीकृति प्रदान करने में वित्त मंत्री के तौर पर श्री पी. चिदम्बरम की भूमिका की जांच करनी चाहिए क्योंकि इससे एफडीआई मानदंडों का घोर उल्लंघन हुआ और इसके परिणामस्वरूप 14,000 करोड़ रूपये का कर–अपवंचन हुआ। ■

गजल सम्राट जगजीत सिंह नहीं रहे

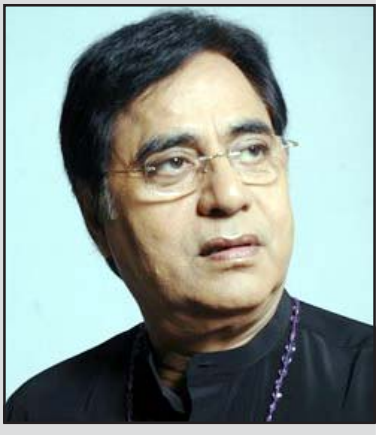

सुप्रसिद्ध गजल गायक श्री जगजीत सिंह का 10 अक्टूबर 2011 को मुंबई में निधन हो गया। वह 70 साल के थे। कई भारतीय भाषाओं में अपनी गायकी के चलते मील का पत्थर साबित हो चुके जगजीत सिंह का जन्म 8 फरवरी 1941 को हुआ था। राजस्थान के श्री गंगानगर में जन्मे जगजीत सिंह पद्मभूषण से सम्मानित थे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री नितिन गडकरी का शोक संदेश

सुप्रसिद्ध गजल गायक श्री जगजीत सिंह के निधन का दुःखद समाचार मिला। श्री जगजीत सिंह के स्वर ने गीत और गजल गायकी को एक नए मुकाम पर पहुंचाया था। उनकी आवाज का दर्द श्रोताओं के दर्द के रूप में प्रकट होता था। उनके निधन से ऐसा लगता है मानों भारत का एक स्वर सदा के लिए हमसे रूठ गया है। मैं उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिजनों–प्रशंसकों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं। ■